



# भारत का राजपत्र The Gazette of India

असाधारण  
EXTRAORDINARY

भाग III—खण्ड 4  
PART III—Section 4

प्राधिकार से प्रकाशित  
PUBLISHED BY AUTHORITY

सं. 32] नई दिल्ली, बुधवार, अक्टूबर 25, 1990/कार्तिक 3, 1912  
No. 32] NEW DELHI, THURSDAY, OCTOBER 25, 1990/KARTIKA 3, 1912

इस भाग में भिन्न पृष्ठ संख्या दी जाती है जिससे कि यह अलग संकलन के रूप में  
रखा जा सके

Separate Paging is given to this Part in order that it may be filed as a  
separate compilation

भारतीय लघु उद्योग विकास बैंक

(साधारण विनियम, 1990)

अधिसूचनाएं

नई दिल्ली, 25 अक्टूबर, 1990

सं. 3144/सी ए डी/बांड सामान्य विनियम :- भारतीय लघु उद्योग विकास बैंक का निदेशक बोर्ड भारतीय लघु उद्योग विकास बैंक अधिनियम, 1989 (1989 का 39) की धारा 52 की उपधारा (1) द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए, इसके द्वारा निम्नलिखित विनियम बनाता है, अर्थात् :-

अध्याय-1

प्रारम्भिक

संक्षिप्त नाम :- 1. इन विनियमों का संक्षिप्त नाम भारतीय लघु उद्योग विकास बैंक साधारण विनियम, 1990 है।

2. परिभाषाएं :- इन विनियमों में जब तक कि कोई बात विषय या संदर्भ के विरुद्ध न हो :-

(क) "अधिनियम" से भारतीय लघु उद्योग विकास बैंक अधिनियम, 1989 (1989 का 39) अभिप्रेत है।

(ख) "सदस्य" से, अधिनियम की धारा 12 की उपधारा (1) के अधीन गठित किसी समिति का सदस्य अभिप्रेत है।

(ग) (i) इन विनियमों में प्रयुक्त किन्तु अपरिभाषित और अधिनियम में प्रयुक्त अन्य पदों के अर्थ वही हैं, जो अधिनियम के प्रयोजनों के लिए, हैं,

(ii) इन विनियमों में प्रयुक्त किन्तु विनियमों या अधिनियम में अपरिभाषित अन्य पदों के, यदि कोई हैं, अर्थ, वही हैं जो भारतीय औद्योगिक विकास बैंक अधिनियम, 1964 में हैं।

अध्याय-II

बोर्ड और समिति की बैठकें

3 बोर्ड की बैठकें—(i) बोर्ड की बैठकें अध्यक्ष या प्रबंध निदेशक द्वारा या उनकी अनुपस्थिति में, अध्यक्ष या प्रबंध निदेशक द्वारा लघु उद्योग बैंक के इस निमित्त नामनिर्दिष्ट किसी कार्यपालक निदेशक या महाप्रबन्धक द्वारा अपने विस्तृत कार्य की प्रत्येक तिमाही में कम से कम एक बार बुलाई जाएगी।

(ii) कोई भी बार निदेशक अध्यक्ष, या प्रबंध निदेशक से बोर्ड की बैठक बुलाने की किसी भी समय अपेक्षा कर सकेगी और वह तबनुसार तुरन्त बैठक बुलाएगा।

(iii) बोर्ड की बैठक भारत में किसी ऐसे स्थान पर की जाएगी बैठक बुलाने की सूचना में विनिर्दिष्ट किया जाए,

(iv) बोर्ड की प्रत्येक बैठक की कम से कम पूर्ण दस दिन की सूचना दी जाएगी और ऐसी सूचना प्रत्येक निदेशक को उसके रजिस्ट्रीकृत पते पर दी जाएगी। यदि कोई आपात बैठक बुलाना आवश्यक पाया जाए तो भारत में प्रत्येक निदेशक को उसकी पर्याप्त सूचना दी जाएगी, जिससे कि वह उसमें उपस्थित हो सके।

(v) जिस कामकाज के लिए बैठक बुलाई गई थी, उसमें भिन्न किसी कामकाज की चर्चा बोर्ड की किसी बैठक में, उस बैठक की अध्यक्षता करने वाले व्यक्ति और उपस्थित निदेशकों के बहुमत की सहमति के बिना, तब तक नहीं की जाएगी, जब तक कि लिखित रूप में उसकी पूर्ण एक सप्ताह की सूचना अध्यक्ष या प्रबन्ध निदेशक को न दे दी गई हो।

(vi) बोर्ड के कारबार के व्यवहार के लिए गणपूर्ति बोर्ड के निदेशकों की कुल नियत संख्या का एक तिहाई या चार निदेशकों से, दोनों में से जो भी अधिक हो, होगी (उस एक तिहाई में कोई भिन्नता है तो उसे एक के रूप में पूर्णकृत किया जाएगा)।

(vii) बोर्ड की प्रत्येक बैठक की कार्यवाही की एक प्रति बैठक के पश्चात् यथासंभव शीघ्र निदेशकों की जानकारी के लिए परिवर्तित की जाएगी और उम पर उम बैठक या ठीक उत्तरवर्ती बैठक की अध्यक्षता करने वाले व्यक्ति द्वारा हस्ताक्षर किए जाएंगे।

4 किसी निदेशक का उन विषयों के बारे में कार्यवाई न करना, जिससे वह व्यक्तिगत रूप से संबंध या हितबद्ध है। (1) बोर्ड का प्रत्येक निदेशक जो लघु उद्योग बैंक द्वारा या उसकी ओर से की गई या की जाने वाली किसी संविदा या ठहराव में अथवा प्रस्तावित संविदा या ठहराव में प्रत्यक्षतः या अप्रत्यक्षतः किसी भी रूप में सम्बद्ध या हितबद्ध है, अपनी सम्बद्धता या हित के स्वत्व को, बोर्ड की बैठक में प्रकट करेगा।

परन्तु किसी निदेशक के लिए यह आवश्यक नहीं होगा कि वह कंपनी अधिनियम, 1956 के अधिनियमित किसी कंपनी या किसी विदेशी कंपनी के साथ की जाने के लिए प्रस्तावित किसी ऐसी संविदा या ठहराव में अपने संबंध या हित को प्रकट करे, जहां उक्त संबंध या हित उसकी एकल रूप से अथवा बोर्ड के किसी अन्य निदेशक या निदेशकों के साथ धृति कुल मिलाकर ऐसी कंपनी की समावृत्त शेयर पूंजी के दो प्रतिशत से अधिक नहीं है।

(2) (क) प्रस्तावित संविदा या प्रबन्ध की दशा में वह, प्रकटीकरण, जो उपविनियम (1) के अधीन बोर्ड के किसी निदेशक द्वारा किया जाना अपेक्षित है, बोर्ड की उस बैठक में, जिसमें संविदा या ठहराव करने के प्रश्न पर प्रथम बार विचार किया जाता है अथवा यदि वह निवेशक उस बैठक की तारीख को प्रस्तावित संविदा या ठहराव से संबंध या हितबद्ध नहीं था, तो जब वह इस प्रकार संबंध या हितबद्ध हो जाता है, उसके पश्चात् की गई बोर्ड की प्रथम बैठक में किया जाएगा।

(ख) किसी अन्य संविदा या ठहराव की दशा में अपेक्षित प्रकटन, उस निदेशक के उस संविदा या ठहराव से संबंध या हितबद्ध हो जाने के पश्चात् हुई बोर्ड की प्रथम बैठक में किया जाएगा।

(3) (क) उपविनियम (1) और (2) के प्रयोजन के लिए किसी निदेशक द्वारा बोर्ड को दी गई इस प्रभाव की साधारण सूचना को कि वह किसी विनिर्दिष्ट निगमित निकाय का सदस्य है या किसी विनिर्दिष्ट फर्म का सदस्य है और उसे किसी ऐसी संविदा या ठहराव में, जो उस निगमित निकाय या फर्म के साथ, उस सूचना की तारीख के पश्चात् किया जाए, संबंध या हितबद्ध समझा जाए, इस प्रकार की गई किसी संविदा या ठहराव के बारे में संबंध या हित का पर्याप्त प्रकटन समझा जाएगा।

(ख) बोर्ड को खंड (क) के अधीन साधारण सूचना देने वाला कोई निवेशक, उसमें दी गई विनिर्दिष्टियों में हुए किसी परिवर्तन की सूचना यथासंभव शीघ्र देगा।

(ग) ऐसी कोई साधारण सूचना और उसका कोई भी नवीकरण प्रभावी तभी होगा, जब कि वह, बोर्ड की बैठक में न दिया गया हो या संबंधित निदेशक यह सुनिश्चित करने के लिए उचित कदम उठाता है कि सूचना को उसके दिए जाने के पश्चात् बोर्ड की प्रथम बैठक में प्रस्तुत किया जाए और पढ़ा जाए।

(4) बोर्ड का कोई भी निदेशक, निदेशक के रूप में, लघु उद्योग बैंक द्वारा या उसकी ओर से की गई या की जाने वाली किसी संविदा या ठहराव पर चर्चा में न तो भाग लेगा और न उस पर मतदान करेगा यदि वह प्रत्यक्षतः या अप्रत्यक्षतः किसी भी रूप में, ऐसी संविदा या ठहराव से संबंध या हितबद्ध है, नहीं उसकी उपस्थिति ऐसी चर्चा या मतदान के समय गणपूर्ति के प्रयोजन के लिए गणना में ली जाएगी, और यदि वह अपना मत देता है तो उसका मत ग्राह्य होगा:

परन्तु इसमें धनविष्ट कोई भी बात, कंपनी अधिनियम, 1956 के अधिनियमित किसी पब्लिक कंपनी अथवा उस अधिनियम के अधीन गत किसी प्राइवेट कंपनी के साथ की गई या की जाने वाली किसी संविदा या ठहराव को लागू नहीं होगी जो ऐसी किसी पब्लिक कंपनी की समनुवर्ती है, जिसमें निदेशक का हित एकमात्र:

(i) उसके

(क) ऐसी कंपनी के निदेशक होने में है, और

(ख) उसमें इसकी संख्या में या हतने मूल्य के शेयरों से अधिक शेयरों के उसके धारक होने में है जो उसे लघु उद्योग बैंक द्वारा ऐसा निदेशक नाम-निर्दिष्ट किए जाने पर उसके एक निदेशक के रूप में नियुक्ति के लिए उसे ग्रहण बनाने के लिए अपेक्षित है, या

(ii) उसकी एक ऐसा सदस्य होने में है जो ऐसी कंपनी की समावृत्त, शेयर पूंजी का अधिक से अधिक दो प्रतिशत धारण करता है।

5. समितियाँ (1) अधिनियम की धारा 12 की उपधारा (1) के अधीन गठित कोई भी समिति, उसको सीपी गई शक्तियों के प्रयोग में ऐसे साधारण या विशेष निदेशों से बाधित होगी, जो बोर्ड समय-समय पर दे।

(2) किसी ऐसी समिति की बैठकें भारत में ऐसे स्थान पर, जो बैठक बुलाने की सूचना में विनिर्दिष्ट किया जाए, समय-समय पर बुलाई जा सकेंगी। ऐसी बैठकों के लिए पर्याप्त सूचना दी जाएगी।

(3) किसी ऐसी समिति की बैठक के लिए गणपूर्ति उसके कुल सदस्यों के एक तिहाई से या दो सदस्यों से, दोनों में से जो भी अधिक हो, होगी (इस एक तिहाई में कोई भिन्नता है तो उसे एक के रूप में पूर्णकृत किया जाएगा)।

(4) धिनियम 4 का उपबंध किसी ऐसी समिति के प्रत्येक सदस्य को और उसकी बैठकों को वैसे ही लागू होने जैसे वह धिनियम बोर्ड के प्रत्येक सदस्य और उसकी बैठकों को लागू होता है।

परन्तु यदि किसी ऐसे सदस्य ने धिनियम 4 के अधीन बोर्ड को कोई सूचना दी है तो उसके लिए यह आवश्यक नहीं होगा कि वह उस उप-धिनियम के अनुसरण में अपने संबंध या हित का और प्रकटन करे।

## अध्याय III

## निदेशकों और सदस्यों की फीस और भत्ते

6. निदेशकों और समिति के सदस्यों की फीस और भत्ते:

- (1) (i) निदेशक बोर्ड की ऐसी प्रत्येक बैठक के लिए जिसमें वे उपस्थित होते हैं, 250 रु या बोर्ड द्वारा विनिर्दिष्ट अन्य रकम फीस के रूप में प्राप्त करने के हकदार होंगे,
- (2) अधिनियम की धारा 12 की उपधारा (1) के अधीन गठित किसी समिति का प्रत्येक सदस्य, जब तक कि उसे कोई पारिश्रमिक जिसके अंतर्गत लघु उद्योग से मिलने वाले आकस्मिक पारिश्रमिक से भिन्न मानवैय भी है, प्राप्त नहीं होता है, ऐसी समिति की प्रत्येक उस बैठक के लिए जिसमें वह उपस्थित होता है, 250 रुपये या बोर्ड द्वारा विनिर्दिष्ट अन्य रकम फीस के रूप में प्राप्त करने का हकदार होगा।

परन्तु अध्यक्ष को या प्रबंध निदेशक को या किसी निदेशक को, जो सरकार, रिजर्व बैंक या विकास बैंक या किंगी पब्लिक सेक्टर के प्रतिष्ठान का अधिकारी है, कोई फीस संदेय नहीं होगी।

- (2) ऐसी फीस के अतिरिक्त, निदेशकों और सदस्यों को उनके यात्रा व्ययों की प्रतिपूर्ति ऐसे मापमान या आधार पर की जाएगी जो बोर्ड द्वारा समय-समय पर विनिर्दिष्ट किया जाए या ऐसे मापमानों पर की जाएगी जिसके लिए निदेशक और सदस्य, यथास्थिति, सरकार, विकास बैंक या रिजर्व बैंक या उन्हें नाम निर्दिष्ट करने वाले संबंधित संगठन में हकदार हैं:

## अध्याय IV

## साधारण उपबंध

7. किसी प्रतिभूति के धारक की मृत्यु पर संदाय :—(1) किसी प्रतिभूति के मृतक एकमात्र धारक के (बाहेर हिंदू हो, मुस्लिम हो, फारसी हो या अन्य कोई हो) निष्पादक या प्रशासक या प्रतिभूति की बाबत भारतीय उत्तराधिकार अधिनियम, 1925 (1925 का 39) के भाग 10 के अधीन जारी किए गए किसी उत्तराधिकार प्रमाणपत्र का धारक वह व्यक्ति या वे व्यक्ति होंगे जिन्हें उस प्रतिभूति में कोई हक रखने वाले व्यक्ति के रूप में लघु उद्योग बैंक द्वारा मान्यता दी जा सकेगी।

(2) भारतीय संविदा अधिनियम, 1872 (1872 का 9) की धारा 45 में किसी बात के होते हुए भी किसी प्रतिभूति की दशा में जो दो या अधिक धारकों, को संदेय है, उत्तरजीवी या उत्तरजीवीगण और अंतिम उत्तरजीवी की मृत्यु पर उसके निष्पादक, प्रशासक या कोई व्यक्ति जो ऐसी प्रतिभूति की बाबत, उत्तराधिकार प्रमाणपत्र का धारक ही ऐसा व्यक्ति होगा जिसे उस प्रतिभूति पर कोई हक रखनेवाले व्यक्ति के रूप में लघु उद्योग बैंक द्वारा मान्यता दी जा सकेगी।

(3) लघु उद्योग बैंक ऐसे निष्पादकों या प्रशासकों को मान्यता देने के लिए तब तक आग्रह नहीं होगा जब तक कि उन्होंने भारत में सक्षम न्यायालय या कार्यालय, यथास्थिति, प्रोबेट या प्रशासन-पत्र अभिप्राय न कर लिया हो।

(4) उपविनियम (1), (2) और (3) में किसी बात के होने हुए भी जहाँ लघु उद्योग बैंक अपने पूर्ण विवेक से यह ठीक समझता है जहाँ लघु उद्योग बैंक के लिए प्रोबेट या प्रशासन पत्र या अन्य विधिक प्रतिनिधित्व पेश करने से, छूट देना विधिपूर्ण होगा। यह छूट अतिपूर्ति के बारे में या अन्यथा ऐसे निबंधनों पर दी जा सकेगी जो बैंक ठीक समझे।

8. वह रीति जिसमें जमाकर्ताओं या प्रतिभूतियों के धारकों द्वारा नामनिर्देशन किया जा सकेगा :—(1) विनियम 7 में किसी बात के होते

हुए भी जहाँ कोई प्रतिभूति एक या अन्य व्यक्तियों द्वारा धारित है वहाँ, यथास्थिति, केवल धारक या सभी धारक मिलकर किसी व्यक्ति या व्यक्तियों को नामनिर्दिष्ट कर सकेंगे जिन्हें एकमात्र धारक या सभी धारकों की मृत्यु पर ऐसी प्रतिभूति पर शोध्य रकम का संदाय किया जा सकेगा :

परन्तु जब प्रतिभूति दो या अन्य व्यक्तियों द्वारा धारित है और ऐसी प्रतिभूति के निर्गमन के निबंधनों में उत्तरजीवी या उत्तरजीवीगणों को उस पर शोध्य रकम के संदाय के लिए उपबंध है तब नामनिर्देशिनी सभी धारकों की मृत्यु पर ही प्रतिभूति पर रकम प्राप्त करने का हकदार होगा।

परन्तु यह धार कि इस विनियम की कोई बात किसी ऐसे दावे पर प्रभाव नहीं डालेगी जो किसी मृतक धारक के किसी प्रतिनिधि का प्रतिभूति पर शोध्य किसी रकम की बाबत नामनिर्देशिनी के विरुद्ध हो।

(2) यदि उपविनियम (1) के अधीन दो या अधिक व्यक्ति नामनिर्दिष्ट किए जाते हैं तो प्रतिभूति पर शोध्य रकम नामनिर्देशितियों के बीच नामनिर्देशन में विनिर्दिष्ट रीति में वितरित की जाएगी, और ऐसे विनिर्देश के अभाव में रकम सभी नामनिर्देशितियों के बीच बराबर-बराबर वितरित की जाएगी :

परन्तु यह कि यदि कोई नामनिर्देशन विद्यमान नहीं है या यदि ऐसा नामनिर्देशन शोध्य रकम के केवल एक भाग से संबंधित है तो पूर्ण रकम या उसका वह भाग जिससे नामनिर्देशन संबंधित नहीं है उन व्यक्तियों को संदेय किया जाएगा जो विनियम 7 के उपविनियम (2) के अधीन उसके हकदार हों।

(3) उपविनियम (1) के अधीन कोई नामनिर्देशन, यथास्थिति, एकमात्र धारक या सभी धारकों द्वारा मिलकर इन विनियमों की अनुसूची-III के प्रकरण 1 में किया जा सकेगा।

(4) उस प्रतिभूति की बाबत ही कोई नामनिर्देशन किया जा सकेगा जो धारक की व्यक्तिगत हैसियत में है उसकी बाबत नहीं जो किसी पद के धारक के रूप में किसी प्रतिनिधिक हैसियत में या अन्यथा धारित है।

(5) जहाँ नामनिर्देशिनी अवयस्क है वहाँ, यथास्थिति, एकमात्र धारक या सभी धारक मिलकर नामनिर्देशिनी की अवयस्कता के दौरान प्रतिभूति पर शोध्य रकम पाने के लिये किसी व्यक्ति को (जो अवयस्क न हो) नियुक्त कर सकेंगे।

(6) जहाँ प्रतिभूति किसी अवयस्क के नाम में धारित है वहाँ नामनिर्देशन, यदि कोई हो, अवयस्क की ओर से कार्य करने के लिए विधिक रूप से हकदार व्यक्ति द्वारा किया जावेगा।

(7) नामनिर्देशन, लघु उद्योग बैंक को इन विनियमों की अनुसूची-III के प्रकरण II में आवेदन प्रस्तुत करके प्रतिस्थापित या रद्द किया जा सकेगा।

(8) नामनिर्देशन, या प्रतिस्थापन या किसी नामनिर्देशन का रद्दकरण, लघु उद्योग बैंक की सहियों में रजिस्ट्रीकृत किया जायेगा और रजिस्ट्रीकरण का तथ्य प्रतिभूति पर लिखा जायेगा तथा ऐसे रजिस्ट्रीकरण पर, यथास्थिति, नामनिर्देशन, प्रतिस्थापन या रद्दकरण उस तारीख से प्रभावी समझा जायेगा जिसको यह प्रस्तुत किया गया था।

(9) इस विनियम के अधीन सम्यक् रूप से किये गये और रजिस्ट्रीकृत किसी नामनिर्देशन के अधीन प्रतिभूति से संबंधित अधिकारों पर, जो किसी नामनिर्देशिनी ने अर्जित किये हैं प्रतिभूति की बाबत द्विप्रतिक स्क्रिप के जारी किये जाने के कारण प्रभाव नहीं पड़ेगा और नामनिर्देशिनी को द्विप्रतिक स्क्रिप के संबंध में वही अधिकार होंगे जो उसके मूल स्क्रिप में थे।

## स्पष्टीकरण :

विनियम 7 और 8 के प्रयोजन के लिये "प्रतिभूति" से अभिप्रेत है :

(क) अधिनियम की धारा 15 की उपधारा (1) के खंड (क) के अधीन पुरीवृत कोई डिबेंचर,

(ख) अधिनियम की धारा 15 की उपधारा (1) के खंड (घ) के अधीन स्वीकृत कोई निक्षेप, या

(ग) किसी अन्य विधि के अधीन बनाई गई किसी स्कीम के अधीन स्वीकृत कोई अन्य निक्षेप।

9. लघु उद्योग बैंक पर आबद्धकर संविदायें किस रीति और प्रारूप में निष्पादित की जा सकेंगी :—(1) लघु उद्योग बैंक की ओर संविदायें लिखित रूप में की जा सकेंगी ५ जिन पर बैंक के अभिव्यक्त या विवक्षित प्राधिकार के अधीन कार्यरत किसी व्यक्ति द्वारा हस्ताक्षर किये जायेंगे और वे उसी रीति से परिवर्तित या उन्मोदित की जा सकेंगी।

(2) इस विनियम के उपबन्धों के अनुसार की गई सभी संविदायें विधिवान्वय और लघु उद्योग बैंक पर आबद्धकर होंगी।

10. लघु उद्योग बैंक के लेखे, रसीदें और वस्तावेज किसके द्वारा हस्ताक्षरित होंगे :—लघु उद्योग बैंक के प्रबंध निदेशक, कार्यपालक निदेशकों, महा प्रबंधक, उप महा प्रबंधक, सचिव और मुख्य लेखाकार, प्रबंधक और उप प्रबंधक तथा लघु उद्योग बैंक के ऐसे अधिकारियों को जिन्हें बोर्ड इस निमित्त प्राधिकृत करे, लघु उद्योग बैंक के लिये और उसकी ओर से कोई संविदा करने और वचन पत्र, स्टॉक-रसीद, स्टॉक डिबेंचर, शेयर प्रतिभूतियां और माल के हक दस्तावेजों को, जो लघु उद्योग बैंक के नाम में हैं या उसके नाम में धारित हैं या उसके द्वारा धारित हैं, पृष्ठांकित और प्रसंस्तरित करने तथा लघु उद्योग बैंक के चालू और प्राधिकृत कारबार में विनियम-पत्र और अन्य लिखतें लिखने स्वीकार और पृष्ठांकित करने तथा ऐसे कारबार से संबंधित अन्य सभी लेखापत्र, रसीदों और दस्तावेजों पर हस्ताक्षर करने के लिये पृथक्कृत किया जाता है।

11. वादपत्र प्राप्ति किस के द्वारा हस्ताक्षरित किये जायेंगे :—वादपत्र, लिखित कथन, शपथपत्र और विधिक कार्यवाहियों से संबंधित सभी अन्य दस्तावेज लघु उद्योग बैंक की ओर से ऐसे किसी भी अधिकारी

द्वारा हस्ताक्षरित और सत्यापित किये जा सकेंगे जो पूर्वगामी विनियम द्वारा या उसके अधीन लघु उद्योग बैंक के लिये और उसकी ओर से दस्तावेजों पर हस्ताक्षर करने के लिये सशक्त है।

12. बंधपत्रों का निर्गमन :—(i) लघु उद्योग बैंक के बंधपत्र या डिबेंचर, प्रबंध निदेशक या उनकी अनुपस्थिति में कार्यपालक निदेशक और/या महा प्रबंधक के हस्ताक्षर से निर्गमित किये जा सकेंगे जो मुद्रित, उत्कीर्ण या लिथोग्राफ किया हुआ या, ऐसी अन्य यांत्रिक प्रक्रिया द्वारा जिसका लघु उद्योग बैंक निदेश दे, छपा हुआ हो सकेगा।

(ii) इस प्रकार मुद्रित, उत्कीर्ण, लिथोग्राफ किया हुआ या अन्यथा छपा हुआ हस्ताक्षर उसी प्रकार विधिवान्वय होगा मानो वह हस्ताक्षरकर्ता द्वारा अपने हस्ताक्षर में लिखा गया हो।

13. सामान्य मुद्रा :—लघु उद्योग बैंक की सामान्य मुद्रा बोर्ड के संकल्प के अनुसरण में हो और कम से कम दो निदेशकों की उपस्थिति में हो किसी भी लिखत पर लगाई जायेगी अन्यथा नहीं। इन दो निदेशकों के अन्तर्गत अध्यक्ष या प्रबंध निदेशक है, जो अपनी उपस्थिति के प्रतीकस्वरूप, लिखत पर अपने नाम हस्ताक्षर करने और वे हस्ताक्षर ऐसे किसी व्यक्ति के हस्ताक्षर से पृथक् होंगे जो साक्षात् के रूप में उस लिखत पर हस्ताक्षर करे।

14. तुलन-पत्र तथा लाभ और हानि लेखा :—लघु उद्योग बैंक का वार्षिक लेखा निम्नलिखित रीति में तैयार किया और रिया जायेगा :

(i) इन विनियमों की अनुसूची 1 और अनुसूची 2 में दिये गये प्रारूपों में साधारण निधि का प्रत्येक वर्ष की 31 मार्च को तुलन पत्र तथा उस वर्ष के लिये लाभ और हानि लेखा, और

(ii) इन विनियमों की अनुसूची 1क और 2क में दिये गये प्रारूपों में लघु उद्योग विकास सहायता निधि का प्रत्येक वर्ष 31 मार्च को तुलन-पत्र तथा उस वर्ष के लिये लाभ और हानि लेखा

साधारण निधि

#### अनुसूची 1

भारतीय लघु उद्योग विकास बैंक

31 मार्च . . . . . को तुलन पत्र

पूर्व वर्ष

वायित्व

इस वर्ष

घ.

ङ.

1. पूंजी :  
प्राधिकृत  
पुरोषूत और समापत
2. भारक्षितियां और निधियां  
(1) भारक्षित निधि  
(2) भारक्षितियां  
(3) राष्ट्रीय इक्विटी निधि  
(4) अन्य निधियां

3. धान, अनुदान, संदान और उपकृतियां  
(1) सरकार से  
(2) अन्य स्रोतों से
4. बंध पत्र और डिबेंचर
5. निक्षेप
6. उधार :

## अनुसूची 1 (जारी)

## वायित्व

पूर्व वर्ष

इस वर्ष

(1) भारतीय रिजर्व बैंक से

- (क) स्टॉक निधियों और अन्य न्यासी प्रतिभूतियों द्वारा प्रतिभूति
- (ख) विनिमय पत्रों या वचनपत्रों द्वारा प्रतिभूति
- (ग) राष्ट्रीय औद्योगिक प्रत्यय (बीर्षकालिक प्रवर्तन) निधि में से

(2) भारत सरकार से :

- (क) ब्याजमुक्त उधार
- (ख) विदेशी उधार-अवस्था मध्ये
- (ग) अन्य उधार

(3) भारतीय औद्योगिक विकास बैंक से :

- (क) वकाया निवेश सूची प्रावि के अंतरण मध्ये
- (ख) अन्य उधार

(4) अन्य स्रोतों से

(5) विदेशी मुद्रा में

7. खालू वायित्व और उपबंध

8. लाभ और हानि लेखा :

संलग्न लेख से अंतरित लाभ का अतिशेष

घटाइए : विनियोजन

घटाइए : भारतीय लघु उद्योग विकास बैंक अधिनियम, 1989 की धारा 29(2) के निर्बंधनों के अनुसार विनियम बैंक को अंतरणीय अतिशेष

समाश्रित वायित्व :

- (1) बैंक के विरुद्ध दावे जो ऋणों के रूप में अभिलेखित नहीं हैं
- (2) प्रतिश्रुत प्रत्याभूतियों के कारण
- (3) निम्नांकित वचन बद्धताओं के कारण
- (4) अंततः संवत् शेषरों, डिबेंचरों प्रावि पर मांगी न गई राशियों के कारण
- (5) वे अनराशियां जिनके लिए बैंक समाश्रित रूप से बायी है

साधारण निधि

## प्रास्तियां

पूर्व वर्ष

इस वर्ष

1. नकदी और बैंक अतिशेष :

- (1) हाथ में नकदी और भारतीय रिजर्व बैंक में अतिशेष
- (2) अन्य बैंकों में अतिशेष :
  - (क) खालू खाते में
  - (ख) निक्षेप खाते में

साधारण निधि

## अनुसूची (1) (जारी)

पूर्व वर्ष

आस्तिया

इस वर्ष

## 2. विनिधान : \*

- (1) केन्द्रीय और राज्य सरकारों की प्रतिभूतियों में
- (2) वित्तीय संस्थाओं के स्टाकों, शेयरों, बंधपत्रों और डिबेंचरों में
- (3) औद्योगिक समुत्पानों के स्टाकों, शेयरों बंधपत्रों और डिबेंचरों में

## 3. उधार और भ्रमि राशियाँ :

- (1) अनुसूचित बैंकों, राज्य सरकारी बैंकों और अन्य वित्तीय संस्थाओं को
- (2) औद्योगिक समुत्पानों को

## 4. मितिकाटे पर मुनाई गए या मितिकाटे पर पुनः मुनाए गए विनियम पत्र और वचनपत्र :

## 5. परिसर

(लागत में से अवक्षयण घटाकर)

\*यदि बाजार मूल्य बही मूल्य से कम है तो बाजार मूल्य प्रकट किया जाए ।

## 6. अन्य स्थिर आस्तियाँ ।

(लागत में से अवक्षयण घटाकर)

## 7. अन्य आस्तियाँ

## 8. लाभ और हानि लेखा

(पिछले तुलन-पत्र का प्रतिशेष संलग्न लेख से प्रतर्जित लाभ/हानि

साधारण निधि

## अनुसूची II

भारतीय लघु उद्योग विकास बैंक

31 मार्च को समाप्त हुए

वर्ष का लाभ और हानि लेखा

पूर्व वर्ष

व्यय

इस वर्ष

1. निक्षेपों, उधारों आदि पर संवत् व्याज
2. स्थापन व्यय
3. निदेशकों और समिति के सदस्यों की फीस और व्यय
4. लेखा-परीक्षकों की फीस
5. किराया, कर, बीमा, विकास-व्यवस्था आदि
6. विविध प्रभार
7. बैंक महसूल, तार और टिकट
8. लेखन-सामग्री, मुद्रण, विज्ञापन आदि
9. अवक्षयण
10. विनिधानों के विनियम पर शुद्ध हानि (जो आरक्षितियों में या किसी विशिष्ट निधि या खाते में भाग्य नहीं वाली गई है)
11. अन्य व्यय
12. तुलन पत्र से जाया गया लाभ प्रतिशेष

साधारण निधि

## अनुसूची II (जारी)

पूर्व वर्ष

आय

इस वर्ष

-----र.

-----र.

(वर्ष के दौरान डूबते और आकास्मिक ऋणों के लिए किए गए उपबंध और अन्य आवश्यक और संदीर्घ उपबंधों को घटाए)

1. व्याज और मितोकाटा
2. विनिधनों से आय
3. कमीशन, बलाही आदि
4. विनिधनों के विषय से शुद्ध लाभ (जो आरक्षितियों में या किसी विशिष्ट निधि या खाते में जमा नहीं किया गया है)
5. अन्य आय
6. तुलन-पत्र में ले जाया गया हानि अनिशेष

-----

-----

सघु उद्योग विकास सहायता निधि

## अनुसूची I "क"

भारतीय सघु उद्योग विकास बैंक  
31 मार्च . . . को तुलन पत्र

पूर्व वर्ष

वायित्व

इस वर्ष

-----र.

-----र.

1. आरक्षितियाँ और निधियाँ :
  - (1) आरक्षित निधि
  - (2) अन्य निधियाँ
  - (3) आरक्षितियाँ
2. उधार :
  - (1) भारत सरकार से
  - (2) अन्य स्रोतों से
3. धान, अनुदान, संदान और उपकृतियाँ :
  - (1) सरकार से
  - (2) अन्य स्रोतों से
4. अन्य वायित्व और उपबंध
5. लाभ और हानि लेखा :
 

पिछले तुलन-पत्र का अनिशेष  
संलग्न लेख से अनुरित लाभ हानि

-----

-----

पूर्व वर्ष

इस वर्ष

-----र.

समाश्रित वायित्व :

1. बैंक के विरुद्ध दावे जो ऋणों के रूप में अविस्वीकृत नहीं हैं
2. प्रतिश्रुत प्रत्याभूतियों के कारण
3. निम्नांकित वचनबद्धताओं के कारण
4. अंशतः संवत्त शेयरों, डिबेंचरों आदि पर मांगी गई धनराशियों के कारण
5. वे धनराशियाँ जिनके लिए बैंक समाश्रित रूप से दायी हैं।

पूर्व वर्ष

आस्तियाँ

इस वर्ष

-----र.

-----र.

1. नकदी और बैंक अतिशेष :

- (1) हाथ में नकदी और भारतीय रिजर्व बैंक में अतिशेष

सबु उद्योग विकास सहायता निधि

## अनुसूची II "क"

भारतीय सबु उद्योग विकास बैंक

31 मार्च... को समाप्त हुए वर्ष

पूर्व वर्ष

व्यय

का लाभ और हानि लेखा

इस वर्ष

-----र.

-----र.

(2) अन्य बैंक में प्रतिशेष :

(क) बाणू खाते में

(ख) निक्षेप खाते में

2. विनिधान :

(1) केन्द्रीय और राज्य सरकारों की प्रतिभूतियों में

(2) औद्योगिक संस्थानों के स्टॉकों, शेयरों, बंधपत्रों और डिबेंचरों में

3. ऋण और भ्रष्टिम राशियां - -

4. अन्य आस्तियां

5. लाभ और हानि लेखा :

पिछले तुलन-पत्र का प्रतिशेष

संलग्न लेखे से भंतरित किया गया लाभ/हानि

1. उधार पर संवत् व्याज

2. स्थापन व्यय

3. लेखा-परीक्षकों की फीस

4. किराया, कर, बीमा, प्रकाश-व्यवस्था आदि

5. विधिक प्रभार

6. डाक महसूल, तार और टिकट

7. लेखन-सामग्री मुद्रण विज्ञापन आदि

8. विनिधानों के विक्रय पर शुद्ध हानि (जो भारभितियों में या किसी विशिष्ट निधि या खाते में जमा नहीं वाली गई है)।

9. अन्य व्यय

10. तुलन-पत्र में ले जाया गया लाभ प्रतिशेष

आय : :

(वर्ष के दौरान इकट्ठा और शकस्य ऋणों

के लिए किए गए उपबन्ध और अन्य आवश्यक

और समीचीन उपबन्धों को षटाइए)

1. व्याज

2. विनिधानों से आय

3. कमीशन, बसाली आदि

4. विनिधानों के विक्रय से शुद्ध लाभ

(जो भारभितियों में या किसी विशिष्ट

निधि या खाते में जमा नहीं किया गया है)

5. अन्य आय

6. तुलन-पत्र में ले जाया गया हानि प्रतिशेष



धनुसूची III  
(विनियम 8 देखें)

लघु उद्योग विकास सहायता निधि

प्रारूप-I

नामनिर्देशन/नामनिर्देशन के प्रतिस्थापन का प्रारूप

1. मैं/हम (धारक/धारकों का/के नाम) निम्नलिखित व्यक्तियों को नामनिर्दिष्ट करता हूँ/करते हैं जिस/जिनको मेरी/हमारी अवयस्क धारक की मृत्यु हो जाने की वशा में नीचे विनिर्दिष्ट प्रतिभूतियों पर शोध्य रकम संवत् की जाए:—

क्रम सं.	वर्णन	सुविष्ट संख्यांक	निर्गमन की तारीख	अंकित मूल्य
1.				
2.				
3.				

नामनिर्देशिनी

नाम	पता	जन्म-तिथि (यदि नामनिर्देशिनी अवयस्क है)	संबंध्य रकम का प्रतिशत*
1.			
2.			
3.			

2. ऊपर क्रम सं. पर नामनिर्देशिनी अवयस्क है/हैं इसलिए मैं, श्री/श्रीमती (नाम और पूरा पता) को मेरी/हमारी/अवयस्क धारक की ऐसे नामनिर्देशिनी/नाम-निर्देशितियों को अवयस्कता के दौरान मृत्यु हो जाने की वशा में प्रतिभूतियों पर शोध्य रकम को प्राप्त करने वाले व्यक्ति के रूप में नियुक्त करता हूँ/करते हैं।

† यह नामनिर्देशन मेरी/हमारे द्वारा तारीख को किए गए नामनिर्देशन के प्रतिस्थापन में है जो लघु उद्योग बैंक की बहियों में को रजिस्ट्रीकृत है पूर्ववर्ती नामनिर्देशन इस नामनिर्देशन के रजिस्ट्रीकरण पर रद्द हो जाएगा।

†† (धारक के हस्ताक्षर)

स्वान:

तारीख:

साक्षियों के हस्ताक्षर और पते

1.	
2.	

\* इस स्तम्भ में प्रत्येक नामनिर्देशिनी को संबंध्य कुल रकम का प्रतिशत लिखें।

† इस पैरा को तब काट दें जब नामनिर्देशन किसी अवयस्क के पक्ष में नहीं है।

†† इस पैरा को तब काट दें जब नामनिर्देशन पहले किए गए नाम-निर्देशन के प्रतिस्थापन में नहीं है।

††† यदि प्रतिभूति किसी अवयस्क के नाम में धारित है तो नाम-निर्देशन पर अवयस्क की ओर से कार्य करने के लिए विधिवर्क हकदार व्यक्ति द्वारा हस्ताक्षर किए जाएंगे।

प्रारूप-II

नामनिर्देशन के रद्दकरण का प्रारूप

मैं/हम (धारक/धारकों का/के नाम) मेरी/हमारे द्वारा विनिर्दिष्ट प्रतिभूतियों की बाबत तारीख को किए गए और को रजिस्ट्रीकृत नामनिर्देशन को इसके द्वारा रद्द करना हूँ/करते हैं।

क्रम सं.	वर्णन	विश्व संख्यांक	निर्गमन की तारीख	अंकित मूल्य
1.				
2.				
3.				
4.				

स्वान:

तारीख:

† (धारक के हस्ताक्षर)

(धारक का नाम)

साक्षियों के हस्ताक्षर और पते

1.	
2.	

पाद टिप्पण :— प्रमाणित किया जाता है कि भारतीय औद्योगिक विकास बैंक ने 12 जून, 1990 के अपने पत्र द्वारा भारतीय लघु उद्योग विकास बैंक सामान्य विनियम, 1990 को अनुमोदन प्रदान किया है।

## SMALL INDUSTRIES DEVELOPMENT BANK OF INDIA

(General Regulations, 1990)

### NOTIFICATIONS

New Delhi, the 25th October, 1990

F. No. 3144/CAD. Bond/General Regulations.—  
In exercise of the powers conferred by sub-section (1) of Section 52 of the Small Industries Development Bank of India Act, 1989 (39 of 1989), the Board of Directors of Small Industries Development Bank of India hereby make the following Regulations, namely :—

### CHAPTER I

#### INTRODUCTORY

1. Short Title.—These Regulations may be called the Small Industries Development Bank of India General Regulations, 1990.

2. Definitions.—In these Regulations, unless there is anything repugnant in the subject or context :—

(a) "the Act" means the Small Industries Development Bank of India Act, 1989 (39 of 1989).

(b) "Member" means member of any Committee constituted under sub-section (1) of Section 12 of the Act.

(c) (i) other expressions used but not defined in these Regulations and used in the Act have the meanings respectively assigned to them for the purposes of the Act ;

(ii) other expressions used but not defined, either in these Regulations or in the Act shall have the meanings, if any, respectively assigned to them in the Industrial Development Bank of India Act, 1964.

### CHAPTER II

#### MEETINGS OF BOARD AND COMMITTEE

3. Meetings of the Board.—(i) Meetings of the Board shall be convened by the Chairman or the Managing Director or, in their absence, by an Executive Director or General Manager of Small Industries Bank nominated by the Chairman or the Managing Director in this behalf, at least once in each quarter of its financial year.

(ii) Any four directors may require the Chairman or the Managing Director to convene a meeting of the Board, at any time and he shall forthwith convene a meeting accordingly.

(iii) Meetings of the Board shall be held at such place in India as may be specified in the notice convening the meeting.

(iv) At least ten clear days notice shall be given of each meeting of the Board and such notice shall be sent to every director at his registered address. Should it be found necessary to convene an emergency meeting, sufficient notice shall be given to every director in India to enable him to attend.

(v) No business other than that for which the meeting was convened shall be discussed at a meeting of the Board, except with the consent of the person presiding at the meeting and a majority of the directors present, unless one clear week's notice has been given of the same in writing to the Chairman or the Managing Director.

(vi) Quorum for the transaction of business of the Board shall be one-third of the total appointed strength of the Board (any fraction contained in that one-third being rounded off as one), or four directors, whichever is higher.

(vii) A copy of the proceedings of each meeting of the Board shall be circulated as soon as possible thereafter for the information of the directors and shall be signed by the person presiding at that or the next succeeding meeting.

4. No director to deal with matters with which he is personally concerned or interested.—(1) Every director of the Board who is in any way, whether directly or indirectly, concerned or interested in a contract or arrangement, or proposed contract or arrangement, entered into or to be entered into, by or on behalf of the Small Industries Bank, shall disclose the nature of his concern or interest at a meeting of the Board :

Provided that it shall not be necessary for a director to disclose his concern or interest in any such contract or arrangement proposed to be entered into with a company or a foreign company within the meaning of the Companies Act, 1956, where the concern or interest consists only in his holding either singly or together with any other director or directors of the Board in the aggregate not more than two per cent of the paid-up share capital in such company.

(2) (a) In the case of a proposed contract or arrangement, the disclosure required to be made by a director of the Board under sub-regulation (1) shall be made at the meeting of the Board at which the question of entering into contract or arrangement is first taken into consideration, or if the director was not at the date of that meeting concerned or interested in the proposed contract or arrangement at the first meeting of the Board held after he becomes so concerned or interested.

(b) In the case of any other contract or arrangement the required disclosure shall be made at the first meeting of the Board held after the director becomes concerned or interested in the contract or arrangement.

(3) (a) For the purpose of sub-regulations (1) and (2) a general notice given by a director to the Board to the effect that he is a director or a member of a specified body corporate or is a member of a specified firm and is to be regarded as concerned or interested in any contract or arrangement which may, after the date of the notice, be entered into with that body corporate or firm, shall be deemed to be a sufficient disclosure or concern or interest in relation to any contract or arrangement so made.

(b) A director giving general notice to the Board under clause (a) shall, as soon as possible, give notice of any change in the particulars contained therein.

(c) No such general notice, and no renewal thereof, shall be of effect unless either it is given at a meeting of the Board or the director concerned takes reasonable steps to secure that it is brought upon and read at the first meeting of the Board after it is given.

(4) No director of the Board shall as a director take any part in the discussion of, or vote on, any contract or arrangement entered into or to be entered into by or on behalf of the Small Industries Bank, if he is in any way, whether directly or indirectly, concerned or interested in such contract or arrangement; nor shall his presence count for the purpose of forming a quorum at the time of such discussion or vote; and if he does vote, his vote shall be void:

Provided that nothing herein contained shall apply to any contract or arrangement entered into or to be entered into with a public company within the meaning of the Companies Act, 1956, or a private company within the meaning of that Act which is a subsidiary of any such public company in which the interest of the Director consists solely:—

(i) in his being

(a) a director of such company and

(b) the holder of not more than shares of such number or value therein as is requisite to qualify him for appointment as a director thereof, he having been nominated as such director by the Small Industries Bank, or

(ii) in his being a member holding not more than two per cent of the paid-up share capital of such company.

5. Committees.—(1) Any Committee constituted under sub-section (1) of Section 12 of the Act shall, in the exercise of the powers entrusted to it, be bound by such general or special directions as the Board may give from time to time.

(2) Meetings of any such Committee may be convened from time to time at such place in India as may be specified in the notice convening the meetings. Sufficient notice shall be given for such meetings.

(3) The quorum for the meeting of any such Committee shall be one-third of its strength (any fraction contained in that one-third being rounded off as one) or two members, whichever is higher.

(4) The provision of Regulation 4 shall apply to every member and to meetings of any such committee in the same manner as that Regulation applies to every Director and to meetings of the Board:

Provided that if any such member has given any notice under Regulation 4 to the Board, it shall not be necessary for him to further disclose his concern or interest in pursuance of this sub-regulation.

### CHAPTER III

#### FEEES AND ALLOWANCES OF DIRECTORS AND MEMBERS

6. Fees and allowances of directors and members of the Committees.—(1) (i) The directors shall be entitled to receive a fee of Rs. 250 or such other amount as may be specified by the Board for each meeting of the Board which they attend;

(ii) every member of any committee constituted under sub-section (1) of Section 12 of the Act shall, unless he is in receipt of any remuneration, including honorarium, other than casual remuneration, from the Small Industries Bank be entitled to receive fee of Rs. 250 or such other amount as may be specified by the Board for each meeting of such committee, which he attends.

PROVIDED THAT no fees shall be payable to the Chairman or to the Managing Director or to any director, who is an official of the Government, the Reserve Bank or the Development Bank or any public sector organisation.

(2) In addition to such fee, directors and members shall be reimbursed their travelling expenses on such scales or basis, as may be specified by the Board from time to time, or on such scales, which the directors and members are entitled to in the Government, Development Bank, or Reserve Bank or the respective organisation nominating them, as the case may be.

### CHAPTER IV

#### GENERAL PROVISIONS

7. Payment on the death of the holder of a security.—(1) The executors or administrators of a deceased sole holder of a security (whether a Hindu, Mohammedan, Parsi or otherwise) or the holder of a succession certificate issued under Part X of the Indian Succession Act, 1925 (39 of 1925) in respect of the security shall be the only person or persons who may be recognised by the Small Industries Bank as having any title to the security.

(2) Notwithstanding anything contained in Section 45 of the Indian Contract Act, 1872 (9 of 1872), in the case of a security held payable to two or more holders, the survivor or survivors and, on the death of the last survivor, his executors, administrators, or any person who is the holder of a succession certificate in respect of such security shall be the only person who may be recognised by the Small Industries Bank as having any title to the security.

(3) The Small Industries Bank shall not be bound to recognise such executors or administrators unless they shall have obtained probate or letters of administration, as the case may be, from the competent court or office in India.

(4) Notwithstanding anything contained in sub-regulations (1), (2) and (3), where the Small Industries Bank in its absolute discretion deems fit, it shall be lawful for the Small Industries Bank to dispense with the production of probate or letters of administration or other legal representation in any case, upon such terms as to indemnity or otherwise, as it may deem fit.

8. Manner in which nomination may be made by depositors or holders of securities.—(1) Notwithstanding anything contained in Regulation 7, where any security is held by one or more persons, the sole holder or, as the case may be, all the holders together may nominate any person or persons to whom, in the event of the death of the sole holder or the death of all the holders, the amount due on such security may be paid :

Provided that when the security is held by two or more persons and the terms of issue of such security provide for payment of the amount due thereon to the survivor or survivors, the nominee shall become entitled to receive the amount on the security only on the death of all the holders;

Provided further that nothing contained in this Regulation shall affect any claim which any representative of a deceased holder may have against the nominee in respect of any amount due on the security.

(2) If two or more persons are nominated under sub-regulation (1), the amount due on the security shall be distributed amongst the nominees in the manner specified in the nomination, and in the absence of such specification, the amount shall be distributed equally among all the nominees :

Provided, however, that if no nomination subsists or if such nomination relates only to a part of the amount due, the whole amount or part thereof to which the nomination does not relate, shall be paid to the persons who may be entitled thereto under sub-regulation (2) of Regulation 7.

(3) A nomination under sub-regulation (i) may be made by the sole holder or, as the case may be, all the holders together in Form I of Schedule III to these Regulations.

(4) A nomination may be made only in respect of the security which is held in the individual capacity of the holder and not in any representative capacity as the holder of an office or otherwise.

(5) Where the nominee is a minor, the sole holder or, as the case may be, all the holders together may appoint any person (not being a minor) to receive the amount due on the security during the minority of the nominee.

(6) Where the security is held in the name of a minor, the nomination, if any, shall be made by a person lawfully entitled to act on behalf of the minor.

(7) A nomination may be substituted or cancelled by submitting an application to the Small Industries Bank in Form II of Schedule III to these Regulations.

(8) A nomination or a substitution or a cancellation or a nomination shall be registered in the books of the Small Industries Bank and the fact of registration shall be noted on the security and, on such registration, the nomination, substitution or cancellation, as the case may be, shall be deemed to be effective from the date on which it was submitted.

(9) The rights, which a nominee has acquired in relation to the security under a nomination duly made and registered under this regulation, shall not be affected by reason of the issue of a duplicate script in respect of the security and the nominee shall have the same rights in relation to such duplicate script as he had in relation to the original script.

Explanation :

For the purpose of Regulations 7 and 8 "Security" means—

- (a) any debenture issued under clause (a) of sub-section (1) of Section 15 of the Act;
- (b) any deposit accepted under clause (d) of sub-section (1) of Section 15 of the Act, or
- (c) any other deposit accepted under a scheme made under any other law.

9. Manner and form in which contracts binding on the Small Industries Bank may be executed.—(1) Contracts on behalf of the Small Industries Bank may be made in writing, signed by any person acting under its authority, express or implied, and may in the same manner be varied or discharged.

(2) All contracts made according to the provisions of this Regulation shall be valid and binding on the Small Industries Bank.

10. Accounts, receipts and documents of the Small Industries Bank by whom to be signed :—The Managing Director, the Executive Directors, the General Managers, the Deputy General Managers, the Secretary and Chief Accountant, Manager and Dy. Manager and such officers of the Small Industries Bank as the Board may authorise in this behalf are severally empowered for and on behalf of the Small Industries Bank to execute any contract and to endorse and transfer promissory notes, stock-receipts, stock, debentures, share securities and documents of title to goods, standing in the name of or held in the name of or held by the Small Industries Bank, and to draw, accept and endorse bills of exchange and other instruments in the current and authorised business of the Small Industries Bank and to sign all other accounts, receipts and documents connected with such business.

11. Plaints, etc. by whom to be signed.—Plaints, written statements, affidavits and all other documents connected with legal proceedings may be signed and verified on behalf of the Small Industries Bank by

any officer empowered by or under the preceding Regulation to sign documents for and on behalf of the Small Industries Bank.

12. Issue of bonds.—(i) The bonds or debentures of the Small Industries Bank shall be issued over the signature of the Managing Director or in his absence, by an Executive Director and/or a General Manager, which may be printed, engraved or lithographed or impressed by such other mechanical process as the Small Industries Bank may direct.

(ii) A signature so printed, engraved, lithographed or otherwise impressed shall be valid as if it had been inscribed in the proper handwriting of the signatory himself.

13. Common Seal.—The Common Seal of the Small Industries Bank shall not be affixed to any instrument except in pursuance of a resolution of the Board and in the presence of at least 2 directors in-

cluding the Chairman or the Managing Director who shall sign their names to the instrument in token of their presence, and such signing shall be independent of the signing of any person who may sign the instrument as a witness.

14. Balance Sheet & Profit & Loss Account.—The annual accounts of the Small Industries Bank shall be prepared and set out in the following manner :

- (i) a balance sheet as on the 31st March of each year, and a profit and loss account for that year, of the General Fund, in the forms in Schedule I and II to these Regulations; and
- (ii) a balance sheet as on the 31st March of each year and profit and loss account for the year, of the Small Industries Development Assistance Fund in the forms in Schedule IA and IIA to these Regulations.

## GENERAL FUND

### SCHEDULE I

#### SMALL INDUSTRIES DEVELOPMENT BANK OF INDIA BALANCE SHEETS AS AT 31ST MARCH.....

Previous Year	LIABILITIES	This Year
Rs.		Rs.
	1. CAPITAL :	
	Authorised	
	Issued and Paid-up	
	2. RESERVES AND FUNDS	
	(i) Reserve Fund	
	(ii) Reserves	
	(iii) National Equity Fund	
	(iv) Other Funds	
	3. GIFTS, GRANTS, DONATIONS AND BENEFACTIONS :	
	(i) From Government	
	(ii) From other sources	
	4. BONDS AND DEBENTURES :	
	5. DEPOSITS :	
	6. BORROWINGS:	
	(i) From Reserve Bank of India :	
	(a) Secured against stocks funds and other trustee securities	
	(b) Secured against bills of exchange or promissory notes	
	(c) Out of National Industrial Credit (Long Term Operations) Fund	
	(ii) From Government of India	
	(a) Interest free loan	

- (b) Against foreign lines of credit
- (c) Other loans
- (iii) From Industrial Development Bank of India :
  - (a) Against transfer of outstanding portfolio
  - (b) Other borrowings
- (iv) From other sources
- (v) In foreign currency
- 7. CURRENT LIABILITIES AND PROVISIONS:
- 8. PROFIT AND LOSS ACCOUNT :
  - Balance of Profit transferred from the account annexed :
  - Less appropriations
  - Less balance transferable to the Development Bank in terms of Section 29(2) of the Small Industries Development Bank of India Act, 1989

#### CONTINGENT LIABILITIES :

- (i) Claims against the Bank not acknowledged as debts
- (ii) On account of guarantees issued
- (iii) On account of underwriting commitments
- (iv) On account of uncalled moneys on partly paid shares, debentures, etc.
- (v) Moneys for which the Bank is contingently liable

#### GENERAL FUND

#### SCHEDULE I (Contd.) ASSETS

Previous  
Year  
Rs.

This  
Year  
Rs.

1. CASH AND BANK BALANCES:
  - (i) Cash in hand and balances with Reserve Bank of India
  - (ii) Balances with other banks:
    - (a) On current account
    - (b) On deposit account
2. INVESTMENTS@ :
  - (i) In securities of Central and State Governments
  - (ii) In stocks, shares, bonds and debentures of financial institutions
  - (iii) In stocks, shares, bonds and debentures of industrial concerns
3. LOANS AND ADVANCES
  - (i) To scheduled banks, State Co-operative banks and other financial institutions
  - (ii) To industrial Concerns

4. - **BILLS OF EXCHANGE AND PROMISSORY NOTES DISCOUNTED OR REDISCOUNTED:**
5. **PREMISES**  
(at cost less depreciation)
6. **OTHER FIXED ASSETS:**  
(at cost less depreciation)
7. **OTHER ASSETS:**
8. **PROFIT AND LOSS ACCOUNT:**  
Balance from last balance sheet Profit/Loss transferred from the account annexed

@Total market value to be indicated in case it is lower than the book value.

### GENERAL FUND

#### SCHEDULE II SMALL INDUSTRIES DEVELOPMENT BANK OF INDIA PROFIT AND LOSS ACCOUNT YEAR ENDED 31ST MARCH

Previous Year	EXPENDITURE	This Year
Rs.		Rs.
	1. Interest paid on Deposits, Borrowings, etc.	
	2. Establishment expenses	
	3. Directors' and Committee Members' fees and expenses	
	4. Auditors' fees	
	5. Rent, Taxes, Insurance, Lighting , etc.	
	6. Law charges	
	7. Postage, Telegrams and Stamps	
	8. Stationery, Printing, Advertisement, etc.	
	9. Depreciation	
	10. Net loss on sale of investments (not debited to reserves or any particular fund or account)	
	11. Other expenditure	
	12. Balance of profit carried to Balance Sheet	

## GENERAL FUND

## SCHEDULE II (CONTD.)

Previous Year Rs.	Income	This Year Rs.
	(Less provision made during the year for bad and doubtful debts and other necessary and expedient provisions)	
	1. Interest and Discount	
	2. Income from investments	
	3. Commission, Brokerage, etc.	
	4. Net profit on sale of investments (not credited to reserve or any particular fund or account)	
	5. Other income	
	6. Balance of loss carried to Balance Sheet	

SMALL INDUSTRIES DEVELOPMENT  
ASSISTANCE FUND

## SCHEDULE 1 A

SMALL INDUSTRIES DEVELOPMENT BANK OF INDIA  
BALANCE SHEET AS AT 31ST MARCH—

Previous Year Rs.	LIABILITIES	This Year Rs.
	1. RESERVES AND FUNDS	
	(i) Reserve Fund	
	(ii) Other Funds	
	(iii) Reserves	
	2. LOANS	
	(i) From Government	
	(ii) From other sources	
	3. GIFTS, GRANTS, DONATIONS AND BENEFACIONS	
	(i) From Government	
	(ii) Other sources	
	4. OTHER LIABILITIES AND PROVISIONS	
	5. PROFIT AND LOSS ACCOUNT	
	Balance from last balance sheet	
	Profit /Loss transferred from the account annexed	



**CONTINGENT LIABILITIES**

- (i) Claims against the Bank not acknowledged as debts
- (ii) On account of guarantees issued
- (iii) On account of underwriting commitments
- (iv) On account of uncalled moneys on partly-paid shares, debentures, etc.
- (v) Moneys for which the Bank is contingently liable

**SMALL INDUSTRIES DEVELOPMENT ASSISTANCE FUND****SCHEDULE 1 A**

Previous Year Rs.	ASSETS	This Year Rs.
	1. CASH AND BANK BALANCES :	
	(i) Cash in hand and balances with Reserve Bank of India	
	(ii) Balances with other Banks:	
	(a) On Current account	
	(b) On deposit account	
	2. INVESTMENTS :	
	(i) In securities of Central and State Governments	
	(ii) In stocks, shares, bonds and debentures of industrial concerns	
	3. LOANS AND ADVANCES:	
	4. OTHER ASSETS	
	5. PROFIT AND LOSS ACCOUNT:	
	Balance from last balance sheet	
	Profit/loss transferred from the account annexed	

**SMALL INDUSTRIES DEVELOPMENT ASSISTANCE FUND****SCHEDULE 11 A**

**SMALL INDUSTRIES DEVELOPMENT BANK OF INDIA**  
**PROFIT AND LOSS ACCOUNT FOR THE YEAR**  
**ENDED 31ST MARCH**

Previous Year Rs.	EXPENDITURE	This Year Rs.
	1. Interest paid on Borrowings	
	2. Establishment Expenses	

3. Auditors' Fees
4. Rent, Taxes, Insurance, Lighting, etc.
5. Law Charges
6. Postage, Telegrams and Stamps
7. Stationery, Printing, Advertisement, etc.
8. Net loss on Sale of Investment (not debited to reserves or any particular Fund or account)
9. Other Expenditure
10. Balance of Profit carried to Balance Sheet

SMALL INDUSTRIES DEVELOPEMNT  
ASSISTANCE FUND

SCHEDULE II A (CONTD.)

Previous Year Rs.	INCOME	This Year Rs.
-------------------------	--------	------------------

(Less provision made during the year for bad and doubtful debts and other necessary and expedient provisions)

Rs.

1. Interest
2. Income from Investments
3. Commission, Brokerage, etc.
4. Net profit on Sale of Investments (not credited to reserves or any particular fund or account)
5. Other income
6. Balance of loss carried to Balance Sheet

SCHEDULE III  
(See Regulation 8)  
Form - I

Form of nomination/substitution of nomination

1. I/We, .....nominate the following person(s) to whom  
(Name/s of the holder(s))  
in the event of my/our/minor holder's death, the amount due on the securities specified below may be paid:

Sr.	Description	Distinctive Numbers	Date of Issue	Face value
1.				
2.				
3.				

NOMINEE(S)

Name	Address	Date of Birth (if the nominee is a minor)	Percentage of amount payable
1.			
2.			
3.			

2. \*As the nominee(s) at serial No((s).....above is/are minor(s), I appoint Shri/Smt./Kumari .....(as the person to receive the amount  
(Name and full address)  
due on the securities in the event of my/our/minor holder's death during the minority of such nominee(s)

3. --\*\*This nomination is in substitution of the nomination dated..... made by me/us and registered in the books of the Small Industries Bank on.....which shall stand cancelled on registration of this nomination.

\*\*\* (Signature of the holder)

Place :

Date :

Signature and Addresses of witnesses:

- 1.
  - 2.
- Indicate in this column the percentage of total amount payable to each nominee  
\* Strike out this paragraph when the nomination is not in favour of a minor  
\*\* Strike out this paragraph when the nomination is not in substitution of one already made.  
\*\*\* If security is held in the name of a minor, the nomination has to be signed by a person lawfully entitled to act on behalf of the minor.

## FORM - II

### Form of cancellation of nomination

I/we.....do hereby cancel the nomination dated.....  
(Name/s of the holder(s))

made by me/us in respect of the securities specified below and registered on.....

Sr. No.	Description	Distinctive Numbers	Date of Issue	Face Value
1.				
2.				
3.				
4.				

Place :

Date :

\*(Signature of the holder)

.....  
(Name of the holder)

Signatures and addresses of  
witnesses

- 1.
  - 2.
- \*If the security is held in the name of a minor, cancellation of nomination should be signed by a person lawfully entitled to act on behalf of the minor.

Foot Note : Certified that Industrial Development Bank of India have given approval to the Small Industries Development Bank of India General Regulations, 1990 vide their letter dt. June 12, 1990.

## भारतीय लघु उद्योग विकास बैंक

(बंधपत्रों का निर्गमन और प्रबंध

विनियम 1990)

म 3144/सीए.डी. बॉर्डर/ सामान्य विनियम --  
भारतीय लघु उद्योग विकास बैंक का निदेशक बोर्ड, भारतीय लघु उद्योग विकास बैंक अधिनियम, 1989 (1989 का 39) की धारा 52 द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए और भारतीय औद्योगिक विकास बैंक के पूर्व अनुमोदित से निम्नलिखित विनियम बनाता है, अर्थात् --

1. संक्षिप्त नाम और लागू होना -- (1) इन विनियमों का संक्षिप्त नाम भारतीय लघु उद्योग विकास बैंक (बंधपत्रों का निर्गमन और प्रबंध विनियम, 1990) है।

(2) ये विनियम भारतीय लघु उद्योग विकास बैंक अधिनियम, 1989 की धारा 15 की उपधारा (1) के खंड (क) के अधीन लघु उद्योग बैंक द्वारा पुरोक्ष और विषय किए गए बंधपत्रों को लागू होंगे।

2. परिभाषाएँ -- इन विनियमों में जहाँ तक कि विषय या संदर्भ में कोई प्रतिकूल बात न हो :--

(क) अधिनियम से भारतीय लघु उद्योग विकास बैंक अधिनियम, 1989 अभिप्रेत है,

(ख) "बंधपत्रों" से अधिनियम की धारा 15 की उपधारा (1) के खंड (क) के अधीन लघु उद्योग बैंक द्वारा पुरोक्ष या विषय किए गए बंधपत्र अभिप्रेत है,

(ग) लघु उद्योग बैंक से अधिनियम के अधीन स्थापित भारतीय लघु उद्योग विकास बैंक अभिप्रेत है,

(घ) "विरूपित बंधपत्र से यह बंधपत्र अभिप्रेत है जिसके महत्वपूर्ण भाग अप्रतनीय और अस्पष्ट हो गए हैं और बंधपत्र के महत्वपूर्ण भाग के होते हैं जहाँ :

(i) बंधपत्र की संख्या, निर्गमन, जिससे वह संबंधित है, बंधपत्र का अधिकृत मूल्य या मूल्य का संशय अभिलिखित किया गया है, या

(ii) पृष्ठांकन या पाने वाले का नाम लिखा है, या

(iii) तवीकरण रसीद या अंतरण आपन दिया गया है।

(ङ) "प्रस्प" से इन विनियमों का अनुसूची में दिया गया प्रस्प अभिप्रेत है,

(च) "खो गया बंधपत्र" से वह बंधपत्र अभिप्रेत है जो वास्तव में खो गया है और यह बंधपत्र अभिप्रेत नहीं होगा जो शायदवा के प्रतिकूल किसी व्यक्ति के कब्जे में है,

(छ) "विकृत बंधपत्र" से वह बंधपत्र अभिप्रेत है जिसके महत्वपूर्ण भाग विकृत, फटे या नुकसानग्रस्त है,

(ज) "निर्गमन कार्यालय" से लघु उद्योग बैंक का वह कार्यालय अभिप्रेत है जिसकी बहियों में बंधपत्र रजिस्ट्रीकृत किया गया है या रजिस्ट्रीकृत किया जा सकेगा,

(झ) "विहित अधिकारी" से लघु उद्योग बैंक का महा प्रबंधक या ऐसे अधिकारी अभिप्रेत है जो लघु उद्योग बैंक के निदेशक बोर्ड द्वारा विनियम 11, 12, 13, 15, 17, 19, और 20 के प्रयोजनों के लिए प्राधिकृत किए जाएँ--

(ञ) स्टॉक प्रमाण पत्र से विनियम 3 के अधीन जारी किया गया स्टॉक प्रमाणपत्र अभिप्रेत है।

3. बंधपत्रों का रूप और उनके हस्तांतरण का ढंग आदि --

(1) बंधपत्र--

(क) किसी निश्चित व्यक्ति को या उसके अधिभानुसार कृत बचतपत्र के, या

(ख) लघु उद्योग बैंक की बहियों में रजिस्ट्रीकृत स्टॉक के रूप में जिसके लिए स्टॉक प्रमाण पत्र जारी किए गए हैं, निर्गमित किए जाएंगे।

(2) (क) बचतपत्र के रूप में निर्गमित बंधपत्र अधिनियम, संदेश बचतपत्र को तरह पृष्ठांकन और पश्चात द्वारा अंतरणीय होगा,

(ख) बचतपत्र के रूप में जारी किए गए बंधपत्र पर कोई लेख, पृष्ठांकन के उद्देश्य के लिए विहितमान्य नहीं होगा, यदि ऐसा लेख बंधपत्र द्वारा अभिलिखित रकम के कितना एक अक्षर का अंतरण करने के लिए तात्पर्य है।

(3) स्टॉक प्रमाणपत्र के रूप में निर्गमित और लघु उद्योग बैंक की बहियों में रजिस्ट्रीकृत बंधपत्र प्रस्प V में अंतरण के दस्तावेज का निष्पादन करके या तो पूर्णतः या अंशतः अंतरणीय होगा। ऐसे मामलों में अंतरक स्टॉक के रूप में, जिससे अंतरण संबंधित है, निर्गमित बंधपत्रों का धारक समझा जाएगा जब तक कि अंतरिकी का नाम लघु उद्योग बैंक द्वारा रजिस्ट्रीकृत नहीं किया जाता है।

(4) (क) इससे प्रतिकूल किसी बात के हुए भी लघु उद्योग बैंक बंधपत्रों के हकदार व्यक्ति के अनुरोध पर बंधपत्रों के हक द्वारा व्यक्ति के नाम में लघु उद्योग बैंक द्वारा रखे जाने वाले खाने में एक प्रविष्टि के रूप में बंधपत्र निर्गमित करेगा।

(ख) बंधपत्र या तो बंधपत्रों की प्रतिश्रुति के समय धारण में लघु उद्योग बैंक की लेखा बहियों में प्रविष्टि के रूप में या बाद में बचत पत्र या स्टॉक के रूप में निर्गमित बंधपत्रों के संपरिवर्तन द्वारा निर्गमित किए जा सकेंगे।

(क) यदि कोई बंधपत्र पहले ही बचत पत्र के रूप में निर्गमित किया जा चुका है तो लघु उद्योग बैंक में किसी खाने में प्रविष्टि के रूप में उसको धारण करने का हल्का बंधपत्र धारक प्रस्प XI में छापेपत्र करेगा और लघु उद्योग बैंक की बहियों में किसी खाने में प्रविष्टि के रूप में बंधपत्र में धारण करने के लिए लघु उद्योग बैंक के पक्ष में संभव रूप में पृष्ठांकित बंधपत्र का अभ्यर्पण करेगा।

(ख) यदि बंधपत्र स्टॉक प्रमाणपत्र के रूप में निर्गमित किया गया है तो धारक बंधपत्र का लघु उद्योग बैंक के पक्ष में अंतरण हम अनुरोध के साथ करेगा कि उसे बंधपत्र धारक के नाम में लघु उद्योग बैंक द्वारा रखे जाने वाले खाने में प्रविष्टि के रूप में धारक किया जाए,

(ङ) लघु उद्योग बैंक द्वारा रखे गए खाने में प्रविष्टि के रूप में बंधपत्रों को धारण करने वाला कोई व्यक्ति प्रस्प XII यावेस करके बंधपत्रों को बचतपत्र या स्टॉक प्रमाणपत्र के रूप में अंतरित या संपरिवर्तित कर सकेगा।

(च) लघु उद्योग बैंक की बहियों में खाने में प्रविष्टि के रूप में बंधपत्र निर्गमित करने के लिए या पहले ही निर्गमित बंधपत्रों को बचतपत्र या लघु उद्योग बैंक की बहियों में प्रविष्टि के स्वरूप में स्टॉक में संपरिवर्तित करने के लिए अथवा बहियों में प्रविष्टि के रूप में स्टॉक को या बचतपत्र को बंधपत्र में संपरिवर्तित करने के लिए कोई फॉर्म प्रभाव्य नहीं है।

(छ) लघु उद्योग बैंक की बहियों में प्रविष्टि के रूप में निर्गमित या धारित बंधपत्र प्रस्प XIII में अंतरण लिखित का निष्पादन करके अंतरणीय होंगे। ऐसे मामलों में अंतरक ऐसे बंधपत्रों का, जिसके संबंध में अंतरण है, धारक ऐसे समय तक समझा जाएगा जब तक अंतरिकी का नाम लघु उद्योग बैंक में प्रविष्टि नहीं कर दिया जाता है।

(4) (क) बंधपत्र लघु उद्योग विकास बैंक के प्रबंध निदेशक के या उसकी अप्रतिष्ठिति में किसी कार्यपालक निदेशक और/या उसके महाप्रबंधक के हस्ताक्षर से निर्गमित किया जाएगा जो मूर्तित, उत्कीर्ण लिखा किया हुआ या विकास बैंक के निदेशानुसार किसी दूसरी यांत्रिक प्रक्रिया द्वारा छपा होगा।

(ख) इस प्रकार मूर्तित, उत्कीर्ण लिखा किया हुआ या अन्यथा छपा हुआ हस्ताक्षर उसी प्रकार विधिमानी होगा मानो वह हस्ताक्षरकर्ता के अपने ही उचित हस्ताक्षर में किया गया है।

(5) वचनपत्र के रूप में किसी बंधपत्र का कोई भी पृष्ठालोक या स्टॉक प्रमाणपत्र के रूप में किसी बंधपत्र के मामले में अंतरण की कोई लिखित तब तक विधिमानी नहीं होगी जब तक वह धारक के या सभ्य रूप से गठित उसके अंतर्गत या प्रतिनिधि के हस्ताक्षर से न की गई हो, ऐसी लिखित किसी बंधपत्र की दशा में स्वयं बंधपत्र के पृष्ठ पर वचनपत्र के रूप में और किसी स्टॉक प्रमाणपत्र की दशा में अंतरण की लिखित पर लिखी जाएगी।

4. न्याय मान्यता प्राप्त नहीं है:— (क) लघु उद्योग विकास बैंक की किसी न्याय या किसी बंधपत्र की वास्तव धारक के उपर पूर्ण अधिकार से भिन्न अधिकार को भले ही उसकी उसकी सूचना हो, मान्यता देने के लिए वाध्य या विवश नहीं किया जाएगा।

(ख) उप विनियम (1) के उपबंधों पर प्रतिकूल प्रभाव डाले बिना लघु उद्योग विकास बैंक, अनुपह के तौर पर और अपने किसी वास्तव के बिना, स्टॉक के रूप में निर्गमित किसी बंधपत्र के धारक द्वारा, स्टॉक के व्याज पर या परिवर्तनता मूल्य के संवाय या स्टॉक के अंतरण या उसके संबंध में ऐसी बातों पर निर्देश गिन्हें लघु उद्योग बैंक उचित समझे, अपनी वहीमें में प्रतिनिधित्व कर सकेगा।

5. न्यायियों और पदधारकों द्वारा स्टॉक प्रमाणपत्र के रूप में निर्गमित बंधपत्र धारण करने के लिए उपबंध:— (1) कोई पदधारक स्टॉक प्रमाणपत्र के रूप में कोई बंधपत्र—

(क) अपने वैयक्तिक नाम में, जिसका लघु उद्योग बैंक की वहीमें और स्टॉक प्रमाणपत्र में न्यासी के रूप में वर्णन है, उसके आवेदन में विनिर्दिष्ट न्यास के न्यासी के रूप में या किसी ऐसी वहीमें के बिना न्यासी के रूप में, या

(ख) अपने पद के नाम से, धारण कर सकेगा।

(2) उस व्यक्ति द्वारा जिसके नाम में बंधपत्र है, लघु उद्योग बैंक द्वारा अपेक्षित प्रमाणों में लघु उद्योग बैंक को किए गए लिखित आवेदन पर और बंधपत्र के अत्यंत पर लघु उद्योग बैंक—

(क) उसे अपनी वहीमें में किसी विनिर्दिष्ट न्यास के न्यासी के रूप में या किसी न्यास के विनिर्देश के बिना न्यासी के रूप में प्रविष्ट कर सकेगा, और यथास्थिति, न्यास के विनिर्देश के साथ या विनिर्देश के बिना, न्यासी के रूप में उल्लिखित उसके नाम में स्टॉक प्रमाणपत्र जारी कर सकेगा, या

(ख) उसे उसके पद नाम से स्टॉक प्रमाणपत्र जारी कर सकेगा और उस अपनी वहीमें में, आवेदन के अनुबंध के अनुसार उसके पद नाम में स्टॉक के धारक के रूप में उल्लिखित करने हुए प्रविष्ट कर सकेगा, परन्तु यह तब जब

(i) उक्त अनुबंध इस विनियम के उप विनियम (1) के उपबंधों के अनुरूप है,

(ii) उप विनियम (7) के निबंधों के अनुसार लघु विकास बैंक द्वारा अतिरिक्त आवश्यक माध्यमों कर दिया गया है और

(iii) यदि, बंधपत्र वचनपत्र के रूप में है तो वह लघु उद्योग बैंक के नाम पृष्ठालोक कर दिया गया है और यदि

बंधपत्र स्टॉक प्रमाणपत्र के रूप में है तो उसकी रजिस्ट्री-कृत धारक द्वारा प्रमाण  $\times$  में रसीद दे दी गई है।

(3) उप विनियम (1) के अधीन स्टॉक प्रमाणपत्र पदधारक द्वारा या तो अकेले या अन्य व्यक्ति या व्यक्तियों के साथ या किसी पदधारण करने वाले व्यक्ति या व्यक्तियों के साथ संयुक्त रूप से धारित किया जा सकेगा।

(4) जब स्टॉक किसी व्यक्ति द्वारा अपने पद के नाम से धारित किया जाता है, तब संबंधित स्टॉक प्रमाणपत्र में संबंधित कोई दस्तावेज उस समय उस नाम से, जिसमें स्टॉक प्रमाणपत्र धारण किया जाता है, पद धारण करने वाले व्यक्ति द्वारा निष्पादित किया जा सकेगा, मानो उसका वैयक्तिक नाम इस प्रकार कथित है।

(5) जहां लघु उद्योग बैंक की वहीमें में न्यासी या पदधारक के रूप में उल्लिखित स्टॉक प्रमाणपत्र धारक द्वारा निष्पादित किया गया नालयित कोई अंतरण विवेक, मुद्रागनामा या अन्य दस्तावेज लघु उद्योग बैंक को पेश किया जाता है वहां लघु उद्योग बैंक को इस बात की जांच करने की आवश्यकता नहीं होगी कि क्या स्टॉक धारक किसी न्यास या दस्तावेज या नियमों के निबंधों के अधीन कोई ऐसा अधिकार देते या ऐसा विवेक या अन्य दस्तावेज निष्पादित करने का हकदार है और ऐसे अंतरण विवेक, मुद्रागनामा या दस्तावेज पर उक्त प्रकार कार्य कर सकेगा मानो निष्पादित स्टॉक प्रमाणपत्र धारक है, और चाहे अंतरण विवेक मुद्रागनामा या दस्तावेज में स्टॉक प्रमाणपत्र के धारक को न्यासी या पदधारक के रूप में उल्लिखित किया गया हो या नहीं और चाहे उनका न्यासी या पदधारक की अपनी हैसियत से अंतरण विवेक, मुद्रागनामा या दस्तावेज का निष्पादित करना नालयित हो या नहीं।

(6) इन विनियमों की किसी बात से यह नहीं समझा जाएगा कि वह किसी न्यास या किसी दस्तावेज या नियमों के अधीन किसी न्यासियों या पद धारकों और हितधारकों की, न्यास गठित करने वाली लिखित के उपबंधों या उस संस्था के, जिसका स्टॉक प्रमाणपत्र धारक पद का धारक है, नियमों की विधि के नियमों के अनुसार न करके अन्यथा कार्य करने के लिए प्राधिकृत करती है और लघु उद्योग बैंक और किसी स्टॉक प्रमाणपत्र में कोई हित धारण या अंतरण करने वाला कोई व्यक्ति या कोई स्टॉक प्रमाणपत्र धारक को किसी स्टॉक प्रमाणपत्र के संबंध में लघु उद्योग बैंक द्वारा रखे गए किसी रजिस्ट्रार में किसी प्रविष्ट के या स्टॉक प्रमाणपत्र में वर्धित किसी दस्तावेज में किसी बात के कारण किसी न्यास या किसी स्टॉक प्रमाणपत्र धारक की वैयक्तिक बाधता की सूचना है।

(7) किसी व्यक्ति द्वारा किसी पद के धारक के रूप में इस विनियम के अनुसरण में किए गए किसी आवेदन पर या किसी दस्तावेज पर जिसका निष्पादित किया जाना नालयित है, कार्य करने से पूर्व लघु उद्योग बैंक यह माध्यम पेश करने की अपेक्षा कर सकेगा कि ऐसा व्यक्ति उस पद का तत्काल धारक है।

6. न्यास/न्यासी (न्यासियों) द्वारा वचन पत्रों के रूप में निर्गमित बंधपत्र धारण करने के लिए उपबंध:— (1) विनियम 4 के उप विनियम (1) के उपबंधों पर प्रतिकूल प्रभाव डाले बिना, लघु उद्योग बैंक आवेदक के अनुबंध पर और लघु उद्योग बैंक के वास्तव के बिना, यथास्थिति, किसी विनिर्दिष्ट न्यास या उस स्वयं के न्यासी (न्यासियों) के नाम में या आवेदक के वैयक्तिक नाम में, उसे उसके आवेदक में विनिर्दिष्ट न्यास के न्यासी के रूप में या ऐसे विनिर्देशों के बिना न्यासी के रूप में, वचनपत्र के रूप में कोई बंधपत्र निर्गमित कर सकेगा।

(2) जहां वचनपत्र के रूप में कोई बंधपत्र, धारक के वैयक्तिक नाम में है वहां लघु उद्योग बैंक, लघु उद्योग बैंक द्वारा अपेक्षित प्रमाणों में उसके द्वारा किए गए आवेदन पर तथा ऐसे बंधपत्र के अनुबंध पर प्रमाण

के उपाधिनियम (1) में अधिकांशित रीति में वचनपत्र के रूप में नवीकृत बंधपत्र निर्मित कर सकेगा, परन्तु यह तब जबकि—

(i) इसके उप विनियम (6) निबंधनों के अनुसार लघु उद्योग बैंक द्वारा अर्पित वायव्यक साक्ष्य प्राप्त कर लिया गया है; और

(ii) संभाव लघु उद्योग बैंक के पत्र में पृष्ठांकित कर दिया गया है।

(3) उप विनियम (1) के अधीन बंधपत्र किसी न्याय के न्यासी द्वारा भेजे या उस न्याय के न्यायियों के रूप में किसी अन्य व्यक्ति या व्यक्तियों के साथ संयुक्त धारण किया जा सकेगा।

(4) जहां वचनपत्र के रूप में कोई बंधपत्र न्यासी के रूप में बंधपत्र धारक द्वारा पृष्ठांकित किया गया तात्पर्य है या जहां बंधपत्र धारक द्वारा निष्पादित किया गया कोई मुद्दारनामा या अन्य दस्तावेज लघु उद्योग बैंक में पेश किया जाता है वहां लघु उद्योग बैंक को यह ज्ञान करने की आवश्यकता नहीं होगी कि क्या बंधपत्र धारक किसी न्याय या दस्तावेज या नियमों के अधीन ऐसे पृष्ठांकन करने या ऐसा मुद्दारनामा या अन्य दस्तावेज निष्पादित करने का हकदार है और पृष्ठांकन मुद्दारनामा या बंधपत्र पर उसी रीति में कार्य कर सकेगा भावों ऐसा पृष्ठांकन बंधपत्र धारक है और चाहे बंधपत्र धारक पृष्ठांकन मुद्दारनामा या दस्तावेज में न्यासी के रूप में उल्लिखित है या नहीं और चाहे न्यासी की हैसियत में उसका ऐसा पृष्ठांकन करना या मुद्दारनामा या दस्तावेज निष्पादित करना तात्पर्य हो या नहीं।

(5) इन विनियमों की किसी बात में यह नहीं समझा जाएगा कि वह किसी न्याय या किसी दस्तावेज या किसी नियमों के अधीन किसी न्यायियों और निवाधिकारियों का न्याय को लागू होने वाले विधि के नियमों या न्याय गति करने वाली लिखन के निबंधनों के अनुसार न करने अथवा कार्य करने के लिए प्राधिकृत करती है।

(6) किसी व्यक्ति द्वारा किसी न्याय के न्यासी के रूप में इस विनियम के अनुमरण में किए गए किसी आवेदन पर कार्य करने से पूर्व लघु उद्योग बैंक यह साक्ष्य पेश करने की अपेक्षा कर सकेगा कि ऐसा व्यक्ति उस न्याय के नियमों के अधीन है।

7. व्यक्ति जो धारक होने के लिए निर्दिष्ट है—कोई भी अवसर या कोई भी व्यक्ति जो सक्षम न्यायाध्यक्ष द्वारा प्रकृतचित्त का पाया गया है बंधपत्रों का धारक होने का हकदार नहीं होगा।

8. व्याज का संचय—(1) वचनपत्र के रूप में बंधपत्र पर व्याज का संचय, निर्गमन कार्यालय या बंधपत्र प्राप्तिस्थल में निर्दिष्ट लघु उद्योग बैंक के किसी दूसरे कार्यालय द्वारा बंधपत्र धारक द्वारा ऐसी औपचारिकताओं के पालन के अधीन करने हुए, जिनकी लघु उद्योग बैंक अपेक्षा कर और बंधपत्र के पेश किए जाने पर, किया जाएगा।

(2) स्टाल प्रमाणपत्र के रूप में बंधपत्र पर व्याज का संचय, पाने जाने के खाने में देय रेखित अधिपत्र जारी करके या ऐसी अन्य रीति में किया जाएगा जैसी लघु उद्योग बैंक द्वारा निर्दिष्ट की जाए। व्याज के संचय के समय स्टाल प्रमाणपत्र पेश करने की अपेक्षा नहीं की जाएगी किन्तु पाने वाला अधिपत्र के पीछे उसकी प्राप्ति अभिलेखिकार करेगा।

(3) लघु उद्योग बैंक की सहियों में प्रविष्टि के रूप में धारित किसी बंधपत्र पर व्याज का संचय लघु उद्योग बैंक द्वारा पाने वाले के खाने में देय रेखित अधिपत्र जारी करके या ऐसी अन्य रीति में किया जाएगा जैसी लघु उद्योग बैंक द्वारा निर्दिष्ट की जाए।

9. वचनपत्र के रूप में बंधपत्र के खो जाने आदि पर प्रक्रिया—

(1) जिस किसी बंधपत्र के बारे में यह अभिलेखित हो कि वह खो गया है, चोरी हो गया है, नष्ट हो गया है, संख्या या पूर्णतः विकृत अथवा विकृत हो गया है, उसके स्थान पर उपर्युक्त अनुमिति जारी कराने के

लिए प्रत्येक आवेदन पत्र निर्गमन कार्यालय को भेजा जाएगा और उसमें निम्नलिखित विवरणियां होंगी, अर्थात्:

(क) ————— रूप के ————— प्रतिशत भारतीय लघु उद्योग विकास बैंक बंधपत्र (रूप) का बंधपत्र सं. —————

(ख) पिछड़ी छमाही जिसके लिए व्याज का संचय किया गया है

(ग) वह व्यक्ति जिसको उक्त व्याज का संचय किया गया था

(घ) वह व्यक्ति जिस के नाम में बंधपत्र निर्मित किया गया था (यदि ज्ञात हो)

(ङ) बंधपत्र के खो जाने, चोरी हो जाने, नष्ट हो जाने स्थान या विपणित हो जाने की परिस्थितियां, और

(च) क्या बंधपत्र के खो जाने या चोरी हो जाने की रिपोर्ट पुलिस में की गई थी।

(2) ऐसे आवेदन-पत्र के साथ निम्नलिखित भेजे जाएंगे:—

(क) जहां बंधपत्र रजिस्ट्री डाक में प्रेषित किए जाने के दौरान खो गया या वहां बंधपत्र प्रेषित करने वाले पक्ष की डाकघर में प्राप्त रजिस्ट्री रसीद,

(ख) यदि खो जाने या चोरी हो जाने की रिपोर्ट पुलिस की दी गई हो तो पुलिस रिपोर्ट की एक प्रति,

(ग) यदि आवेदक रजिस्ट्रीकृत धारक नहीं है तो रजिस्ट्री के समक्ष शपथ किया गया ऐसा शपथपत्र जिसमें यह प्रमाणित किया गया हो कि आवेदक बंधपत्र का अंतिम अधिक धारक है, और रजिस्ट्रीकृत धारक के हक का पता लगाने के लिए आवश्यक दस्तावेज साक्ष्य, और

(घ) खो गए, चोरी हो गए, नष्ट हो गए, विकृत या विकणित बंधपत्र का कोई बचा हुआ भाग या टुकड़ा।

10. राशद में अधिसूचना.—वचनपत्र के रूप में बंधपत्र या उसके किसी भाग लेखा जाने, चोरी हो जाने, नष्ट हो जाने, विकृत या विकणित हो जाने की अधिसूचना भारत के राजपत्र और उस स्थान के जहां बंधपत्र खो गया या चोरी, नष्ट या विकृत या विकणित हो गया था, किसी स्थानीय राजपत्र में, यदि कोई हो, लगातार तीन सप्ताहों में आवेदक द्वारा तुरन्त प्रकाशित की जाएगी। ऐसी अधिसूचना निम्नलिखित प्रारूप में या लगभग ऐसे प्रारूप में होगी जो परिस्थितियों में अनुज्ञात हो:—

-----प्रतिगता बंधपत्र -----

रूप का भारतीय लघु उद्योग विकास बैंक बंधपत्र सं. -----

-----जो मूलतः श्री -----के नाम

में है और खाते नंबर श्री -----

स्वत्वधारी को पृष्ठांकित किया गया है जिसने उसका किसी

अन्य व्यक्ति के नाम कभी पृष्ठांकन नहीं किया है, खो गया

है/चोरी हो गया है/नष्ट हो गया है/विकृत या विकणित

हो गया है, अतः इसके द्वारा यह सूचना दी जाती है कि

निर्गम कार्यालय में उपर्युक्त बंधपत्र और उस पर संवेद्य व्याज

का संचय रोक दिया गया है और इसके स्वत्वधारी के पक्ष में

उसका एक अनुमिति जारी किए जाने के लिए आवेदन प्रस्तुत

किया जाने वाला है या किया गया है। जवना को यह

सूचना दी जाएगी है कि वे उपर्युक्त बंधपत्र का सेवा या अपने

संबंधित अन्यथा कोई लेन-देन न करें।

अभिमुखित करने वाले व्यक्ति का नाम -----

नियम -----

जो लागू नहीं हो पाए हैं।

11. बंधपत्र की अनुमिति जारी कराना और उसके लिए अनिवार्य लेना—(1) विनियम 10 में विहित अधि अधिसूचना के प्रकाशन के

पञ्चात् यदि विहित अधिकारी या बंधपत्र के खो जाने, चोरी हो जाने, नष्ट हो जाने, विकृत या विरूपित हो जाने के संबंध में और प्रादेशिक के शान्ति के प्रतिपक्ष के पक्ष में समाधान हो जाता है तो वह बंधपत्र की विविधियों की विनियम 13 के अधीन प्रकाशित सूची में सम्मिलित करायेंगे और—

(क) यदि बंधपत्र का एक भाग ही खो गया है, चोरी हो गया है, नष्ट हो गया है, विकृत हो गया है और यदि उसका कोई ऐसा भाग पेश किया गया है जो उसकी पहचान के लिए पर्याप्त है तो उसमें आगे उल्लिखित धनि-पुति बंधपत्र के निष्पादित किए जाने पर विनियम 13 के अधीन सूची के प्रकाशन के तुरंत पञ्चात् या उस सूची के प्रकाशन की तारीख में ऐसी अवधि की समाप्ति पर जो विहित अधिकारी आवश्यक समझे यह आदेश देगा कि व्याज का भुगतान किया जाए और उस बंधपत्र के स्थान पर जिसका कोई भाग खो गया है, चोरी हो गया है, नष्ट हो गया है, विकृत या विरूपित हो गया है आदेश को उसकी अनुलिपि जारी की जाएगी.

(ख) यदि इस प्रकार खो गए, नष्ट हो गए, विकृत या विरूपित बंधपत्र का कोई भी ऐसा भाग पेश नहीं किया गया है जो उसकी पहचान के लिए पर्याप्त है, तो —

(I) उक्त सूची के प्रकाशन के दो वर्ष के पञ्चात् और इसमें आगे विहित रीति में धनि-पुति बंधपत्र के निष्पादित किए जाने पर इसमें आगे उपस्थित चार वर्ष की अवधि के समाप्त होने तक, आवेदक को इस प्रकार खो गए, चोरी हो गए, नष्ट हो गए, विकृत या विरूपित बंधपत्र की वास्तव व्याज का भुगतान किया जाए, और

II) उक्त सूची के प्रकाशन की तारीख से चार वर्ष के पञ्चात् आवेदक को इस प्रकार खो गए, चोरी हो गए, नष्ट हो गए, विकृत या विरूपित बंधपत्र की अनुलिपि जारी की जाएगी, परन्तु यह कि:—

(1) यदि वह तारीख जिसको बंधपत्र प्रतिभंडारण के लिए शोध है उस तारीख के पूर्व पक्षी है जिसको चार वर्ष की उक्त अवधि समाप्त होती है तो विहित अधिकारी, पूर्व तारीख से छह मन्हा के मासिक बंधपत्रों पर प्रोद्भूत मूल रकम डाकघर बचत बैंक में विनिहित कर देगा और इस रकम का व्याज महित जो उग पर ऐसे बैंक में प्रोद्भूत हुआ है आवेदक को उस समय पर भुगतान करेगा जब बंधपत्र की अनुलिपि अन्यथा जारी की गई होती, और

(3) यदि बंधपत्र की अनुलिपि जारी किए जाने में पूर्व किसी भी समय मूल बंधपत्र मिल जाता है या निर्गमन कार्यालय को किन्हीं अन्य कारणों से ऐसा प्रतीत होता है कि आवेदन विरहित किया जाना चाहिए तो मामला विहित अधिकारी को आगे विचारार्थ निर्देशित किया जाएगा और इस बीच उस आदेश पर सभी कार्यवाई निरस्त कर दी जाएगी। इस उप-विनियम के अधीन पारित आदेश उसने उल्लिखित चार वर्ष की अवधि समाप्त होने पर अंतिम हो जाएगा जब तक कि हम बीच उस आदेश को विरहित या अन्यथा उपानयित नहीं कर दिया जाता है।

(2) विहित अधिकारी किसी बंधपत्र की अनुलिपि जारी करने से पूर्व किसी भी समय यदि इसके पास पर्याप्त कारण हो इस विनियम

के अधीन जारी किए गए अपने आदेश का परिचयित या गृह कर सकेंगे और वह भी निर्देश दे सकेंगे कि बंधपत्र की अनुलिपि जारी करने के पक्षों का अन्तर्गत चार वर्ष में अंतर्गत होगी शक्ति तक बढ़ाया जाए जो वह ठीक समझे।

(3) धनि-पुति:—

(क) (i) जब उप-विनियम (क) (i) के अधीन निष्पादित की जाएँ, तब अन्तर्गत व्याज की रकम की दुगुनी रकम के लिए अवधि उस बंधपत्र पर प्रोद्भूत शोध व्याज की सभी पिछली रकम की दुगुनी रकम और उस अवधि में, जो बंधपत्र की अनुलिपि जारी करने के पूर्व व्यतीत होती चाहिए, उस बंधपत्र पर प्रोद्भूत शोध व्याज की सभी रकम की दुगुनी रकम के लिए होगी, और

(ii) अन्य सभी मामलों में बंधपत्र के अंकित मूल्य की दुगुनी रकम और खंड (1) के अनुसार संगणित व्याज की रकम की दुगुनी रकम के लिए होगी।

(ख) विहित अधिकारी यह निर्देश दे सकेंगे कि ऐसी धनि-पुति केंद्र आवेदक द्वारा अथवा आवेदक या अपने द्वारा अनुमोदित एक या दो ऐसे प्रतिबंधों द्वारा जिन्हें वह उचित समझे निष्पादित की जाएगी।

12. स्टॉक प्रमाणपत्र के रूप में बंधपत्र के खो जाने आदि पर प्रक्रिया — (1) किसी ऐसे स्टॉक प्रमाणपत्र के स्थान पर जिसमें बांटे गए यह अधिकारित हो कि वह खो गया है, चोरी हो गया है या पूर्ण, विकृत अथवा विरूपित हो गया है, उसकी अनुलिपि जारी करने के लिए प्रत्येक आवेदन निर्गमन कार्यालय को भेजा जाएगा और उसके साथ निम्नलिखित भेजे जाएंगे:—

(क) यदि स्टॉक प्रमाणपत्र रजिस्ट्री डाक में प्रेषित किए जाने के दौरान खो गया है तो स्टॉक प्रमाणपत्र अवधारित करने वाले पत्र की डाक घर से रजिस्ट्री रसीद.

(ख) यदि स्टॉक-प्रमाणपत्र के खो जाने या चोरी हो की रिपोर्ट पुलिस में की गई हो तो पुलिस रिपोर्ट की एक प्रति,

(ग) रजिस्ट्री के समक्ष लिया गया ऐसा बंधपत्र जिसमें यह प्रमाणित किया गया है कि आवेदक स्टॉक प्रमाणपत्र का अधिक धारक है और कि स्टॉक प्रमाणपत्र न तो उसके कब्जे में है और न ही उसने उसे अंतरित किया है, गिरवी रखा है या अन्यथा उस पर कोई अनदेखा किया है, और

(घ) खो गए, चोरी हो गए, नष्ट हो गए, विकृत या विरूपित स्टॉक प्रमाणपत्र के बचे हुए कोई भाग या टुकड़े।

(2) आवेदन में स्टॉक प्रमाणपत्र के खो जाने की परिस्थितियों का कथन किया जाएगा।

(3) यदि विहित अधिकारी का स्टॉक प्रमाणपत्र के खो जाने, चोरी हो जाने, नष्ट हो जाने, विकृत या विरूपित हो जाने के संबंध में समाधान हो जाता है तो वह मूल प्रमाणपत्र के बचने में उसकी अनुलिपि जारी करने का निर्देश देगा।

13 सूची का प्रकाशन:—(1) विनियम 11 में निर्दिष्ट सूची भारत के राजपत्र में अर्धवार्षिक रूप में जनवरी और जुलाई में या उसके पञ्चात् सुविधानुसार प्रीच प्रकाशित की जाएगी।

(2) सभी बंधपत्र जिसकी वास्तव आदेश विनियम 11 के अधीन पारित किया गया है ऐसे आदेश पारित किए जाने के पञ्चात् प्रकाशित होने वाली पहली सूची में सम्मिलित किए जाएंगे और नवम्बर

वे बंधपत्र प्रत्येक उत्तरजीवी सूची में तब तक सम्मिलित किए जाते रहें जब तक कि प्रथम प्रकाशन की तारीख से चार वर्ष की अवधि समाप्त नहीं हो जाती है।

(3) सूची में सम्मिलित किए गए प्रत्येक बंधपत्र को संबंध में निम्नलिखित विनिर्दिष्टों की जाएगी, अर्थात् निर्गमन का नाम, बंधपत्र का संख्यांक, उसका मूल्य, उस व्यक्ति का नाम जिसमें वह निर्गमन किया गया था, वह तारीख जिसमें उस पर ब्याज लगेगा, अनुलिपि के लिए आवेदक का नाम, विहित अधिकारी द्वारा ब्याज के भुगतान पर अनुलिपि जारी करने के लिए पारित आदेश का संख्यांक और तारीख और उस सूची के प्रकाशन की तारीख जिसमें वह बंधपत्र पहली बार सम्मिलित किया गया था।

11. लघु उद्योग बैंक का निवेकाधिकार — विनियम 10, 11, 12 और 13 में किसी बात के होते हुए भी, जहां लघु उद्योग बैंक किसी मामले में ठीक समझता है वहां बंधपत्र की अनुलिपि जारी करने के संबंध में उसमें विहित प्रक्रिया में अभिमुखित होना और क्षतिपूर्ति के बारे में ऐसे निबंधनों पर, जो वह ठीक समझे या अस्थापित बंधपत्र की अनुलिपि जारी करना, लघु उद्योग बैंक के लिए विधिपूर्ण होगा।

15. विफल बंधपत्र का ऐसे बंधपत्र के रूप में प्रमाणित करने की अनुलिपि का जारी किया जाना अपेक्षित है:—विहित अधिकारी का यह विचार होगा कि वह किसी बंधपत्र को जो क्षयित या विफल हो गया है, ऐसे बंधपत्र के रूप में माने जिसकी विनियम 11 के अधीन अनुलिपि जारी किया जाता या विनियम 19 के अधीन मात्र सहायण अपेक्षित है।

16. बंधपत्र के रूप में बंधपत्र का नवीकरण करने का कब अवस्था की जा सकती है:—(1) बंधपत्र के रूप में बंधपत्र के किसी धारक से निर्गमन कार्यालय द्वारा निम्नलिखित अवस्थाओं में बंधपत्र का नवीकरण करने के लिए उस पर रसीद लिखने की अपेक्षा की जा सकती, अर्थात्:—

- (क) यदि बंधपत्र के पीछे केवल एक और पूर्णांकन के लिए ही पूर्णांकन स्थान बचा है या यदि कोई शब्द बंधपत्र पर वर्तमान पूर्णांकन या पूर्णांकनों के ऊपर लिखा गया है;
- (ख) यदि निर्गमन कार्यालय की राय में बंधपत्र फटा हुआ है या किसी प्रकार से नुकसानग्रस्त या चिगाड़ा से भरा हुआ है या ठीक नहीं है;
- (ग) यदि कोई पूर्णांकन स्पष्ट और सुभिन्न नहीं है या, यथास्थिति पाने वाले का या पाने वाली के नाम नहीं दर्शाता है या बंधपत्र के पीछे के पूर्णांकन स्थानों में से किसी एक स्थान में न करके किसी और तरीके से किया गया है;
- (घ) यदि बंधपत्र पर ब्याज दस वर्ष या उससे अधिक समय तक अनाद्वित रहता है;
- (ङ) यदि बंधपत्र के पीछे दिए गए ब्याज के संबंध पूरी तरह भ्रमण है या यदि इस तारीख को, जब ब्याज के आहरण के लिए बंधपत्र प्रस्तुत किया जाता है, बंधपत्र के पीछे सूचित खासी खाते उन छात्रादियों के साथ मेल नहीं खाते, जिनके लिए ब्याज शोध्य हो गया है;
- (च) यदि ब्याज के भुगतान के लिए तीन बार भुक्तित किए जाने पर बंधपत्र फिर भुक्तित के लिए प्रस्तुत किया जाता है; और

- (छ) यदि निर्गमन कार्यालय की राय में ब्याज के भुगतान के लिए बंधपत्र प्रस्तुत करने वाले व्यक्ति का हक अनियमित है या पूर्णतया सार्वजनिक नहीं हुआ है।

(2) जब बंधपत्र का नवीकरण करने के लिए आवश्यकता उप-विनियम (1) के अधीन की गई है, तब उस पर श्राव्य भुगतान का संवय करने में तब तक इत्तफा किया जाएगा जब तक उस पर नवीकरण के लिए रसीद नहीं लिख दी जाती है और वास्तव में उसका नवीकरण नहीं कर दिया जाता है।

17. किसी मृत एकमात्र धारक के बंधपत्र पर किसी व्यक्ति के हक को मान्यता दी जा सकती है:—(1) किसी बंधपत्र के मृत एकमात्र धारक (जैसे वह हिन्दू, मुस्लिम, पारसी श्राव्य या कोई अन्य) के निष्पादक या प्रणामक या भारतीय उत्तराधिकार अधिनियम, 1925 (1925 का 39) के भाग 10 के अधीन उस बंधपत्र की वास्तुता जारी किए गए उत्तराधिकार प्रमाणपत्र का धारक की ऐसे व्यक्ति होने जिन्हें निर्गमन कार्यालय द्वारा बंधपत्र का हकदार होने की विहित अधिकारी के किसी साधारण या विशेष अनुदेशों के अधीन रहते हुए मान्यता दी जा सकती।

(2) भारतीय गविसा अधिनियम, 1872 (1872 का 9) की धारा 45 में किसी बात के होते हुए भी, दो या अधिक धारकों के नाम जारी किए गए, विधायक किए गए या संवय अधिनियमित बंधपत्र के मामले में एकमात्र उत्तरजीवी या एक से अधिक उत्तरजीवी और प्रतिम उत्तरजीवी की मृत्यु के पश्चात् उनके निष्पादक, प्रणामक या अन्य कोई व्यक्ति हो जो बंधपत्र की बाबत उत्तराधिकार प्रमाणपत्र का धारक है, ऐसा व्यक्ति होगा जिसे निर्गमन कार्यालय द्वारा बंधपत्र का हकदार होने की (विहित अधिकारी के किसी साधारण या विशेष अनुदेशों के अधीन रहते हुए) मान्यता दी जा सकती।

(3) निर्गमन कार्यालय ऐसे निष्पादकों या प्रणामकों को मान्यता देने के लिए तब तक बाध्य नहीं होगा जब तक उन्होंने यथास्थिति भारत में किसी मजम न्यायालय या कार्यालय से प्रोबेट या प्रणामनपत्र प्राप्त नहीं किया है।

(4) उप-विनियम (1), (2) और (3) में विहित किसी बात के होते हुए भी, जहां विहित अधिकारी अपने पूर्ण विवेक में किसी मामले में ठीक समझता है वहां, प्रोबेट या प्रणामनपत्रों या विधिक प्रतिनिधित्व पत्रों का, क्षतिपूर्ति के ऐसे निबंधनों पर या अन्यथा, जो वह ठीक समझे पेश किए जाने से अभिवृत्ति देना उसके लिए विधिपूर्ण होगा।

18. नामनिर्देशन —(1) विनियम 17 में किसी बात के होते हुए भी जहां कोई बंधपत्र एक या अधिक व्यक्तियों द्वारा धारण किया जाता है वहां, यथास्थिति, एकमात्र धारक या सभी धारक मिलकर किसी व्यक्ति या किन्हीं व्यक्तियों को नामनिर्देशन कर सकते हैं किन्हें एकमात्र धारक की मृत्यु या सभी धारकों की मृत्यु की दशा में बंधपत्र पर शोध्य रकम का संवय दिया जा सकेगा।

परन्तु जब कोई बंधपत्र दो या अधिक व्यक्तियों द्वारा धारण किया जाता तब नामनिर्देशनी सभी धारकों की मृत्यु पर ही रकम पाने का हकदार होगा।

परन्तु यह और कि इस विनियम की कोई बात किसी दावे पर प्रभाव नहीं डालेगी जो बंधपत्र पर शोध्य किसी रकम की बाबत किसी बंधपत्र के मृत धारक के किसी प्रतिनिधि का हो।

(2) यदि उप-विनियम (1) के अधीन दो या अधिक व्यक्ति नामनिर्देशन किए जाते हैं तो बंधपत्र पर शोध्य रकम नामनिर्देशनियों में नामनिर्देशन में विनिर्दिष्ट रीति में विनियमित की जाएगी, और ऐसे नामनिर्देशन के अभाव में रकम समे, नामनिर्देशनियों में अंतर विनियम की जाएगी।

परन्तु यदि कोई नामनिर्देशन निश्चित रहता है या यदि ऐसा नामनिर्देशन शोध्य रकम के केवल एक भाग के संबंध में है तो सम्पूर्ण रकम का या उसके उस भाग का जिसमें नामनिर्देशन संबंधित नहीं है, संवय विनियम 17 के उप-विनियम (2) के अधीन उसके हकदार व्यक्तियों को किया जाएगा।



(3) उप-विनियम (1) के अधीन कोई नामनिर्देशन, यथास्थिति एकमात्र धारक या सभी धारकों द्वारा मिलकर प्ररूप XV में किया जा सकेगा।

(4) ऐसे बंधपत्र का वाक्य ही नामनिर्देशन किया जा सकेगा जो धारक को वैयक्तिक हितों में धारित है, और किसी पक्ष के धारक के रूप में किसी प्रतिनिधिक हितों में या अवस्था नहीं किया जा सकेगा।

(5) जहाँ नामनिर्देशन अवयस्क है, वहाँ यथास्थिति, एकमात्र धारक या सभी धारक मिलकर किसी व्यक्ति को (जो अवयस्क नहीं है), नामनिर्देशन की अवयस्कता के दौरान बंधपत्र पर शोध्य रकम प्राप्त करने के लिए नियुक्त कर सकेंगे।

(6) जहाँ कोई बंधपत्र अवयस्क के नाम में धारित है, वहाँ नामनिर्देशन, यदि कोई हो, अवयस्क की ओर से कार्य करने के लिए विधिपूर्ण रूप से हकदार किसी व्यक्ति द्वारा किया जाएगा।

(7) कोई नामनिर्देशन भारतीय लघु उद्योग विकास बैंक को बंधपत्र के तहत प्ररूप 15 में कोई आवेदन प्रस्तुत करके प्रतिस्थापित किया जा सकेगा या प्ररूप 16 में कोई आवेदन प्रस्तुत करके रद्द किया जा सकेगा।

(8) कोई नामनिर्देशन या किसी नामनिर्देशन का कोई प्रतिस्थापन या रद्दकरण लघु उद्योग बैंक की वस्तुओं में रजिस्ट्रीकृत किया जाएगा और रजिस्ट्रीकरण का तथ्य बंधपत्र पर लिखा जाएगा और ऐसे रजिस्ट्रीकरण पर, यथास्थिति, उक्त नामनिर्देशन, रद्दकरण या प्रतिस्थापन उक्त तारीख से प्रभावी समझा जाएगा जिसको यह प्रस्तुत किया गया था।

(9) इस विनियम के अधीन मध्यस्थ रूप में किए गए और रजिस्ट्रीकृत किए गए किसी नामनिर्देशन के अधीन बंधपत्र के संबंध में उन अधिकारों पर जो किसी नामनिर्देशनी ने प्राप्त किए हैं, बंधपत्र की अनुलिपि के जारी किए जाने के कारण प्रभाव नहीं पड़ेगा और नामनिर्देशनी को बंधपत्र की अनुलिपि के संबंध में वही अधिकार होंगे जो उसके मूल बंधपत्र के संबंध में थे।

19. नवीकरण आदि के लिए रसीद :—(1) विहित अधिकारी के किन्हीं साधारण या विशेष अनुज्ञेयों के अधीन रखे हुए, धारक के आवेदन पर निर्गमन कार्यालय अपने आदेश में :—

(क) धारक द्वारा वचनपत्र या वचनपत्रों के रूप में बंधपत्र या बंधपत्रों के परिष्कार कर दिए जाने पर और अपने दावे के औचित्य के संबंध में निर्गमन कार्यालय का समाधान कर देने पर, वचनपत्र या वचनपत्रों का नवीकरण, उप-विभाजन या समेकन कर सकेगा, परंतु यह तब जब कि वचनपत्र या वचनपत्रों पर, यथास्थिति, प्ररूप 1, 2, या 3 में रसीद लिख दी गई है, या

(ख) वचनपत्र या वचनपत्रों को स्टॉक प्रमाणपत्र या स्टॉक प्रमाणपत्र में संपरिवर्तित कर सकेगा परंतु यह तब जब कि वचनपत्र या वचनपत्रों पर निम्नलिखित पृष्ठांकित कर दिया गया है :—

“भारतीय लघु उद्योग विकास बैंक को सदाय करें”  
या

(ग) स्टॉक प्रमाणपत्र या स्टॉक प्रमाणपत्रों का नवीकरण, उप-विभाजन या समेकन कर सकेगा परंतु यह तब जब कि स्टॉक प्रमाणपत्र या स्टॉक प्रमाणपत्रों पर, यथास्थिति, प्ररूप 6, 7 या 8 में रसीद लिख दी गई है, या

(घ) स्टॉक प्रमाणपत्र या स्टॉक प्रमाणपत्रों को वचनपत्र या वचनपत्रों में संपरिवर्तित कर सकेगा परंतु यह तब जब कि स्टॉक प्रमाणपत्र या स्टॉक प्रमाणपत्रों पर प्ररूप 9 में रसीद लिख दी गई है, या

(ङ) एक श्रृंखला के बंधपत्रों को दूसरी श्रृंखला के बंधपत्रों में संपरिवर्तित कर सकेगा, परंतु यह तब जब कि

(1) श्रृंखलाओं का परस्पर संपरिवर्तन अनुज्ञेय है, और  
(2) ऐसे संपरिवर्तन को शासित करने वाली शर्तों का पालन किया गया है।

(2) निर्गमन कार्यालय विहित अधिकारों के आदेशों के अधीन उप-विनियम (1) के अधीन किसी बंधपत्र का नवीकरण, उप-विभाजन या समेकन करने के लिए, आवेदन उसे, विहित अधिकारी द्वारा अनुमोदित एक या अधिक प्रतिभूयों सहित प्राप्त होने में क्षमिपूति निष्पादन करने की अपेक्षा कर सकेगा।

20. हक के संबंध में विवाद का दशा में बंधपत्र का नवीकरण :—जहाँ किसी बंधपत्र के हक के संबंध में, जिसके नवीकरण के लिए कोई आवेदन किया गया है, कोई विवाद है वहाँ विहित अधिकारी :

(क) जहाँ विवाद के किसी पक्षकार ने मध्यम अधिकारिता वाले किसी न्यायालय से ऐसे बंधपत्र का हकदार होने का अंतिम विनिश्चय अधिप्राप्त कर लिया है वहाँ ऐसे पक्षकार के पक्ष में नवीकृत बंधपत्र निर्गमित कर सकेगा, या

(ख) जब एक ऐसा विनिश्चय अधिप्राप्त नहीं कर लिया जाता है तब तक बंधपत्र का नवीकरण करने से इंकार कर सकेगा।

स्पष्टीकरण :

इस विनियम के प्रयोजनों के लिए “अंतिम निर्णय” पक्ष से ऐसा विनिश्चय अभिप्रेत है जो अपीलीय नहीं है या जो अपीलीय है किंतु जिसके विरुद्ध विधि द्वारा अनुरोध पेश किया जा सके के भीतर कोई अपील नहीं की गई है।

21. नवीकृत बंधपत्र के संबंध में प्राप्ति आदि :—जब किसी व्यक्ति के पक्ष में विनियम 11 के अधीन बंधपत्र की अनुलिपि जारी कर दी गई है या नवीकृत बंधपत्र निर्गमित कर दिया गया है या विनियम 19 के अधीन उप-विभाजन या समेकन होने पर नया बंधपत्र निर्गमित कर दिया गया है तब इस प्रकार निर्गमित बंधपत्र के बारे में समझा जाएगा कि वह लघु उद्योग बैंक और ऐसे व्यक्ति को न्यायवाचक उसकी साफल्य हक प्राप्त करने वाले सभी व्यक्तियों के बीच एक नया करार गठित करता है।

22. उन्मोचन :—लघु उद्योग बैंक, परिपक्वता पर संवत् उस बंधपत्र या उन बंधपत्रों की वापस या जिसके/जिनके स्थान पर अनुलिपि, नवीकृत, उप-विभाजन या समेकन बंधपत्र निर्गमित किया गया है/किए गए हैं :—

(क) संदाय की दशा में उस तारीख से चार वर्ष बीत जाने के पश्चात्, जिसको संदाय शोध्य था,

(ख) अनुलिपि बंधपत्र की दशा में विनियम 13 के अधीन उस मूची के, जिसमें बंधपत्र का पहली बार उल्लेख किया गया था, प्रकाशन की तारीख से, या विनियम 11 में उल्लिखित मूल बंधपत्र पर ध्यान के संदाय की तारीख से, चार वर्ष बीत जाने के पश्चात् जो भी तारीख बाद की हो।

(ग) नवीकृत बंधपत्र या उप-विभाजन या समेकन होने पर निर्गमित किए गए बंधपत्र की दशा में, उसके निर्गमन की तारीख 4 वर्ष बीत जाने के पश्चात् उन्मोचित हो जाएगा।

23. व्याज की वापस उन्मोचन :—बंधपत्रों के निबंधनों में यथा अन्यथा अधिव्यक्त रूप में उल्लिखित के सिवाए कोई भी व्यक्ति किसी ऐसे बंधपत्र पर किसी अवधि की वापस, जो उस पूर्ववर्त तारीख के पश्चात् बीत गई है, जिसको ऐसे बंधपत्र पर शोध्य रकम के संदाय के लिए मांग की जा सकती थी, व्याज का दावा करने का हकदार नहीं होगा।

24. बंधपत्र का उन्मोचन :—

(क) जब वचनपत्र या स्टॉक प्रमाणपत्र के रूप में धारित कोई बंधपत्र मूल के संदाय के लिए शोध्य हो जाता है तब वह लघु उद्योग बैंक के ऐसे कार्यालय में जिसमें

यस पर ध्यान देना है कि निर्धारित रूप में उसके पृष्ठों पर धारक द्वारा प्रत्येक वर्ष के हस्ताक्षर करके प्रस्तुत किया जाएगा।

(ख) जब खाले में किसी प्रविष्टि के रूप में कोई बंधपत्र मूल के मदाय के लिए वांछित हो जाता है तब प्ररूप 14 में संश्लेषण रूप में हस्ताक्षरित रसीद धारक द्वारा निर्गमन प्रमाणित की दी जाएगी।

संघ प्रबंधन बैंक की ओर से कार्रवाई का प्रायोग :-

लघु उद्योग बैंक द्वारा विनियम 1(2), 5(2), 5(7), 6(6), और 8(1) के अधीन प्रयोक्ताप शक्तियों का लघु उद्योग बैंक की ओर से प्रयोग लघु उद्योग बैंक के प्रचार निदेशक और उनकी प्रत्यक्षता में कार्यपालक निदेशक और/या महाप्रबंधक द्वारा किया जायेगा।

### अनुसूची

प्ररूप I [विनियम 19(1)(क) देखें]

वचनपत्र के रूप में बंधपत्र के नवीकरण के लिए पृष्ठांकन का प्ररूप

इसके बदले में भारतीय लघु उद्योग विकास बैंक

(स्थान)

द्वारा

संश्लेषण सहित

(धारक का नाम)

को संश्लेषण नवीकृत

वचनपत्र प्राप्त किया।

धारक के \_\_\_\_\_ के सम्यक रूप में प्राधिकृत प्रतिनिधि के हस्ताक्षर  
(धारक का नाम)

प्ररूप II [विनियम 19(1)(क) देखें]

वचनपत्र के रूप में बंधपत्रों के उपविभाजन के लिए पृष्ठांकन का प्ररूप

इसके बदले में भारतीय लघु उद्योग विकास बैंक

(स्थान)

द्वारा संश्लेषण सहित

(धारक का नाम)

को संश्लेषण

प्रमाण \_\_\_\_\_ रूप के लिए \_\_\_\_\_ वचन पत्र  
प्राप्त किया।

धारक के \_\_\_\_\_ के सम्यक रूप में प्राधिकृत प्रतिनिधि के हस्ताक्षर  
(धारक का नाम)

प्ररूप IV [विनियम 19(1)(क) देखें]

वचनपत्र के रूप में बंधपत्र के समेकन के लिए पृष्ठांकन का प्ररूप

इसके बदले में भारतीय लघु उद्योग विकास बैंक

(स्थान)

द्वारा

संश्लेषण सहित (इसके साथ समेकित किए जाने के लिए अपेक्षित अन्य वचनपत्र (पत्रों) का/के संख्याक और रकम (रकमों) का उल्लेख करने हुए तथा निर्गमन को विनिर्दिष्ट करते हुए, वचनपत्र या वचनपत्र संख्याक \_\_\_\_\_ के साथ समेकन द्वारा \_\_\_\_\_ रूप के लिए \_\_\_\_\_

को संश्लेषण नवीकृत वचनपत्र प्राप्त किया।

(धारक का नाम)

धारक के \_\_\_\_\_ के सम्यक रूप में प्राधिकृत प्रतिनिधि के हस्ताक्षर  
(धारक का नाम)

प्ररूप IV [विनियम 19(2) देखें]

यह सब को ज्ञात हो कि हम

(मुख्य बंधपत्रधारक का नाम)

जो श्री \_\_\_\_\_ का पुत्र और \_\_\_\_\_ का  
निवासी है और \_\_\_\_\_ जो श्री \_\_\_\_\_ का

(प्रतिभू सं. 1)

पुत्र और \_\_\_\_\_ का निवासी है तथा \_\_\_\_\_

(प्रतिभू सं. 2)

जो श्री \_\_\_\_\_ का पुत्र और \_\_\_\_\_ का  
निवासी है, इसके द्वारा अपने को और हम में से प्रत्येक को हमारे और हमारे वारिसों, निष्पादकों, प्रणामकों और प्रतिनिधियों में  
से प्रत्येक को और उन सब को संयुक्त और प्रत्यक्त भारतीय लघु उद्योग विकास बैंक अधिनियम 1989 के अधीन तथा स्थापित

भारतीय लघु उद्योग विकास बैंक को (जिसे इसमें आगे उक्त लघु उद्योग बैंक कहा गया है) उसके अटर्नियों, उत्तरवर्तियों और समनुदेशितियों को ..... अपने को राशि के संदाय के लिए आबद्ध करते हैं।

और मैं हममें/से प्रत्येक .....

(मुख्य बंधपत्र धारक ) और (प्रतिभू प्रतिभूओं का/के नाम)

उक्त लघु उद्योग बैंक के साथ प्रसविदा करता हूँ/करते हैं कि यदि इस बाध्यता या इसके नीचे लिखित शर्त के संबंध में कोई वाद लखनऊ/मुम्बई उच्च न्यायालय के अधीनस्थ किसी न्यायालय में लाया जाता है तो वह उक्त लघु उद्योग बैंक की प्रेरणा ऐसे वाद में चाहे कोई भी पक्षकार क्यों न हो, उच्च प्रेरणा न्यायालयों में से किसी को भेज दिया जाएगा और उसका/उसकी असाधारण मूल सिविल अधिकारिता में लखनऊ/मुम्बई में विचारण तथा अवधारण किया जाएगा।

उक्त ..... ने उक्त लघु उद्योग बैंक की इसकी अनुसूची में उल्लिखित

(मुख्य बंधपत्र धारक का नाम)

लघु उद्योग बैंक द्वारा निर्गमित बंधपत्र (पत्रों) के नवीकरण/समेकन उप-विभाजन के लिए आवेदन किया है।

और उक्त लघु उद्योग बैंक उक्त .....

(मुख्य बंधपत्र/धारक)

के दो अच्छे और पर्याप्त प्रतिभूओं सहित इसके नीचे लिखित शर्त के अधीन रहते हुए उक्त बंधपत्र करने और निष्पादित करने पर उक्त आवेदन को स्वीकार करने के लिए सम्मत और सहमत हो गया है।

और उपर आबद्ध .....

(प्रतिभू/प्रतिभूओं का/के नाम)

उक्त ..... के अनुरोध पर

(मुख्य बंधपत्र धारक)

..... के लिए प्रतिनूत होने और उक्त

(मुख्य बंधपत्र धारक)

बंधपत्र निष्पादित करने में उक्त ..... के साथ

(मुख्य बंधपत्र धारक)

सम्मिलित होने के लिए सहमत हो गया है/हो गए हैं।

उक्त बंधपत्र की शर्त यह है कि यदि उक्त आबद्ध ..... और

(मुख्य बंधपत्र धारक)

..... या उनमें से प्रत्येक का उनके बॉन्ड, निष्पादक,

(प्रतिभू/प्रतिभूओं का/के नाम)

प्रणालिक या प्रतिनिधि या उनमें से कोई या प्रत्येक, इसकी अनुसूचियों में उल्लिखित उक्त लघु उद्योग बैंक द्वारा निर्गमित बंधपत्र (बंधपत्रों) या उन पर किसी ब्याज का हकदार होने का दावा करने वाले सभी व्यक्तियों और उक्त बंधपत्र (बंधपत्रों) या उनके नवीकरण या उन पर ब्याज के संदाय के लिए अन्य व्यक्तियों के चाहे कोई भी हों, दावों और मांगों से और उनके विरुद्ध तथा ऐसे सभी नुकसान, हानि, खर्चों, प्रभार और व्यय से जो उक्त लघु उद्योग बैंक को किसी ऐसे दावे या मांग के लिए या उसके परिणामस्वरूप या उपर्युक्त नवीकृत बंधपत्र (बंधपत्रों) के निर्गमन के कारण या उक्त बंधपत्र (बंधपत्रों) या नवीकृत बंधपत्र (बंधपत्रों) पर शोध्य किसी ब्याज के संदाय के कारण उत्पन्न पड़े उपगत करने पड़े या दायी होना पड़े, उक्त लघु उद्योग बैंक को समय-समय पर और इसके पश्चात सभी समयों पर प्रभावी हूंग से बचाएंगे, उसकी प्रतिरक्षा करेंगे उसे हानि रहित और क्षतिपूर्ति रखेंगे तब ऊपर लिखित बंधपत्र अन्य होंगे किन्तु अन्यथा वह पूर्णतया प्रदत्त और प्रभावशाल रहेंगे।

..... ने ..... और

(मुख्य बंधपत्र धारक का नाम)

..... की उपस्थिति में हस्ताक्षर किए और  
परिधान किया।

तारीख

## इसमें निम्निष्ठ अनुसूची

बंधपत्र की प्रकृति और वर्णन	संख्यांक	निर्गमन तारीख	रकम
-----------------------------	----------	---------------	-----

प्ररूप V (विनियम 3(3) देखें)

अंतरण का प्ररूप

मैं/हम

इसके द्वारा

(धारक का/धारकों के नाम)

रूप का, जो

स्टाक/स्टाक के एक भाग की रकम हैं, जैसा इस लिखत

के मुख पर विनिर्दिष्ट है,

प्रतिशत भारतीय लघु उद्योग विकास बैंक बंधपत्र

(वर्ष)

प्रोद्भूत व्याज सहित

उमके/उनके

(अंतरिती/अंतरितियों का नाम)

निष्पादकों, प्रशासकों का समनुदेशितियों का समनुदेशित और अंतरित करता हूँ/करते हैं और मैं/हम

(धारक/धारकों का नाम)

ऊपर अंतरित स्टॉक को उस सीमा तक निर्बाध रूप से स्वीकार करता हूँ/करते हैं जिस सीमा तक वह मुझे/हमें अंतरित किया गया है।

मैं/हम

इसके द्वारा अनुरोध

(धारक का/धारकों के नाम)

करता हूँ/करते हैं कि मुझे/हमें इसके द्वारा अंतरित स्टॉक के धारक (धारकों) के रूप में मुझे/हमें रजिस्ट्रीकृत किए जाने पर उक्त स्टॉक प्रमाणपत्र उस सीमा तक जिस सीमा तक वह मुझे/हमें अंतरित किया गया है मेरे/हमारे नाम में नवीकृत/संपरिवर्तित किया जाए।

मैं/हम

इसके द्वारा अनुरोध

(धारक का/धारकों के नाम)

करता हूँ/करते हैं कि उक्त अंतरिती (अंतरितियों) को इसके द्वारा उसे/उन्हें अंतरित स्टॉक के धारक (धारकों) के रूप में रजिस्ट्रीकृत किए जाने पर उक्त स्टॉक प्रमाणपत्र उस सीमा तक जिस सीमा तक वह उमे/उन्हें अंतरित नहीं किया गया है मेरे/हमारे नाम में नवीकृत किया जाए।

इसके साक्ष्य के रूप में

की उपस्थिति में

के

की

को

(वर्ष)

(मास)

(तारीख)

ऊपर नामित अंतरक ने हस्ताक्षर किए।

अंतरक

पता

(अंतरिती)

पता

उक्त अंतरिती ने

की उपस्थिति में हस्ताक्षर किए

इस पैरा का तब प्रयोग किया जाना है जब प्रमाणपत्र का कोई अंश अंतरित किया जाता है।

साक्षी के हस्ताक्षर, उपजीविका, पता

प्ररूप VI (विनियम 19(1) (ग) देखें)

स्टॉक प्रमाणपत्र के नवीकरण के लिए पृष्ठांकन का प्ररूप

इसके बदले में

के नाम में

का प्रतिशत भारतीय लघु उद्योग विकास बैंक का

एक नवीकृत स्टाक प्रमाणपत्र प्राप्त किया जिस पर ब्याज भारतीय लघु उद्योग विकास बैंक,

(स्थान)

द्वारा संवेद्य होगा

रजिस्ट्रीकृत धारक/सम्यक रूप से प्राधिकृत  
प्रतिनिधि के हस्ताक्षर

(रजिस्ट्रीकृत धारक का नाम)

प्रारूप VII [विनियम 19(1) (ग) देखें]

स्टाक प्रमाणपत्र के उप-विभाजन के लिए पृष्ठांकन का प्रारूप

इस स्टाक प्रमाणपत्र से ..... के बदले में ..... प्रतिशत  
भारतीय लघु उद्योग विकास बैंक बंधपत्र ..... के ..... रूपए के  
(वर्ष)

प्रमाणपत्र प्राप्त किए जिन पर ब्याज भारतीय लघु उद्योग विकास बैंक

(स्थान)

द्वारा संवेद्य होगा।

रजिस्ट्रीकृत धारक/सम्यक रूप से प्राधिकृत  
प्रतिनिधि के हस्ताक्षर

रजिस्ट्रीकृत धारक का नाम

प्रारूप VIII विनियम 19(1) (ग) देखें]

स्टाक प्रमाणपत्रों के समेकन के लिए पृष्ठांकन का प्रारूप

..... प्रतिशत भारतीय लघु उद्योग विकास बैंक बंधपत्र, .....  
(वर्ष)

के ..... रूपए के ..... स्टाक प्रमाणपत्र से .....  
..... प्रतिशत भारतीय लघु उद्योग विकास बैंक बंधपत्र .....  
(वर्ष)

का ..... रूपए का एक स्टाक प्रमाणपत्र प्राप्त किया जिस पर ब्याज भारतीय लघु  
उद्योग विकास बैंक, ..... द्वारा संवेद्य होगा।

(स्थान)

रजिस्ट्रीकृत धारक/सम्यक रूप से प्राधिकृत  
प्रतिनिधि के हस्ताक्षर

(रजिस्ट्रीकृत धारक का नाम)

प्रारूप IX—[विनियम 19(1) (घ) देखें]

स्टाक प्रमाणपत्रों को वचनपत्रों में संपरिवर्तन के लिए पृष्ठांकन का प्रारूप

इस स्टाक प्रमाणपत्र के बदले में प्रति वचनपत्र ..... रूपए के  
..... वचन पत्र, (शेष) ..... रूपए के

लिए एक नया स्टाक प्रमाणपत्र प्राप्त किया जिसका ब्याज भारतीय लघु उद्योग विकास बैंक,

(स्थान)

द्वारा संवेद्य होगा।

रजिस्ट्रीकृत धारक/सम्यक रूप से प्राधिकृत  
प्रतिनिधि के हस्ताक्षर

(रजिस्ट्रीकृत धारक का नाम)

प्रारूप X [विनियम 5(2) (ख) iii देखें]

स्टाक प्रमाणपत्र के रूप में निर्गमित बंधपत्र के नवीकरण की रसीद का प्रारूप

इस बदले में ..... के पक्ष में .....

..... रूपए के लिए ..... प्रतिशत भारतीय लघु उद्योग विकास बैंक बंधपत्र,

..... का एक नवीकृत स्टॉक प्रमाणपत्र प्राप्त किया, जिस पर व्याज भारतीय लघु  
(वर्ष)  
उद्योग विकास बैंक, ..... द्वारा सदेव होगा।  
(स्थान )

(रजिस्ट्रीकृत धारक के हस्ताक्षर)

प्रत्येक XI—[विनियम 3(3क) (ग) देखें]

वचन पत्र के रूप में बंधपत्र को लघु उद्योग बैंक में खाते में प्रविष्टि में संपरिवर्तित करने के लिए प्रत्येक।

तारीख ..... 19.....

सेवा में,

प्रबंधक,  
बंधपत्र अनुभाग,  
भारतीय लघु उद्योग विकास बैंक,  
मुम्बई/लखनऊ

महोदय,

विषय ————— प्रतिगत भारतीय लघु उद्योग विकास बैंक बंधपत्र ————— (————— शृंखला)

हम घोषित करते हैं कि वचनपत्र (वचनपत्रों) के रूप में निर्गमित कुल ————— रुपए के अंकित मूल्य के भारतीय लघु उद्योग विकास बैंक बंधपत्र जो इसके पीछे सूचीबद्ध गए हैं हमारी संपत्तिक है और अनुरोध करने हैं कि लघु उद्योग बैंक द्वारा रखे जाने वाले खाते में हमारे नाम में प्रविष्टि के रूप में उन्हें धारण करने के लिए हमें अनुज्ञात किया जाए जिसके लिए हम इसके साथ लघु उद्योग बैंक के पक्ष में सम्यक् रूप से पृष्ठांकित सुसंगत बंधपत्र स्त्रिम प्रत्येकित करने हैं। उस व्यक्ति का/उन व्यक्तियों के नाम, पदनाम और नमूना हस्ताक्षर, जिसे/जिन्हें खाता संचालित करने के लिए प्राधिकृत किया गया है, इसके पीछे दिए गए हैं।

इस संबंध में हम सम्यक् रूप से स्टांपित और आपका प्रारूप के अनुसार निष्पादित किया गया आपके पक्ष में क्षतिपूर्ति विलेख इसके साथ भेज रहे हैं।

हम आपसे यह अनुरोध करते हैं कि लघु उद्योग बैंक में खाने के रूप में बंधपत्रों के धारण का प्रमाणपत्र और हमारी वृत्ति का कालिक विवरण ऊपर दिए गए पत्र पर सम्यक् अनुक्रम में भेज दिया करें।

कृपया इस पत्र की पावती दें।

भवदीय

रजिस्ट्रीकृत धारक (धारकों)/या उसके सम्यक् रूप से  
प्राधिकृत प्रतिनिधि के हस्ताक्षर —————

रजिस्ट्रीकृत धारक का/धारकों के नाम —————

इसके साथ भेजे गए बंधपत्र स्त्रिमों की सूची

नीचे कथित अंकित मूल्य (मूल्यों) में वचनपत्र

1. ————— रुपए के लिए बंधपत्र स्त्रिम सं. ————— तारीख ————— (————— शृंखला)।
2. ————— रुपए के लिए बंधपत्र स्त्रिम सं. ————— तारीख ————— (————— शृंखला)।
3. ————— रुपए के लिए बंधपत्र स्त्रिम सं. ————— तारीख ————— (————— शृंखला)।

बंधपत्र स्त्रिमों का कुल अंकित मूल्य ————— रुपए

नमूना हस्ताक्षर ————— एकल/संयुक्ततः/प्रत्येक या उत्तरजीवी

नाम 1. ————— पदनाम —————

2. ————— पदनाम —————

पता

—————  
—————  
—————  
—————

प्रेमिका/प्रेमिक

अनुलग्नक (i) \_\_\_\_\_ रूप के संकलित मूल्य के बंधपत्र स्वीकृत

(ii) अतिपूति बिलेख

प्रारूप XII [विनियम 3(3क) (ड.) देखें]

लघु उद्योग बैंक में खाने में प्रविष्टि के रूप में धारित बंधपत्रों के बदले में बंधपत्र स्वीकृत जारी करने के लिए अध्यक्षता।

मेरा मैं,

प्रबंधक,

बंधपत्र अनुभाग

भारतीय लघु उद्योग विकास बैंक

मुम्बई/लखनऊ

महोदय,

विषय \_\_\_\_\_ भारतीय लघु उद्योग विकास बैंक बंधपत्र \_\_\_\_\_ (\_\_\_\_\_ शृंखला) ।

हम भारतीय लघु उद्योग विकास बैंक में रखे गए खाने में प्रविष्टि के रूप में हमारे द्वारा धारित बंधपत्रों की वापस भारतीय लघु उद्योग विकास बैंक द्वारा जारी किया गया धृति प्रमाणपत्र इसके साथ भेज रहे हैं।

हमारा प्रत्येक है कि हमारी बंधपत्र धृतियों के पीछे दिए गए व्योरे के अनुसार वचनपत्र (वचनपत्रों) के रूप में संपरिवर्तित और अंतर्गत कर दिया जाए।

हमारा अनुरोध है कि इस संबंध में बंधपत्र स्वीकृत उन बंधपत्रों की, जो भारतीय लघु उद्योग विकास बैंक में रखे गए खाने में प्रविष्टि के रूप में धारित रखे जा रहे हैं, अनिवार्य रकम की वापस ताजा धृति प्रमाणपत्र सहित हमारे ऊपर दिए हुए पते पर रजिस्ट्री डाक द्वारा हमें भेजे जाएं।

कृपया इस पत्र की पावती दें।

सबदीय

रजिस्ट्रीकृत धारक (धारकों)/या उसके सम्यक् रूप से प्राधिकृत प्रतिनिधि के हस्ताक्षर

रजिस्ट्रीकृत धारक का/धारकों के नाम \_\_\_\_\_

विद्यमान धृति प्रमाणपत्रों के व्योरे और वचनपत्रों की अपेक्षा

1. धृति प्रमाण पत्र सं. \_\_\_\_\_ तारीख \_\_\_\_\_ रूप (\_\_\_\_\_ शृंखला) ।
2. धृति प्रमाण पत्र सं. \_\_\_\_\_ तारीख \_\_\_\_\_ रूप (\_\_\_\_\_ शृंखला) ।
3. धृति प्रमाणपत्र सं. \_\_\_\_\_ तारीख \_\_\_\_\_ रूप (\_\_\_\_\_ शृंखला) ।

बंधपत्रों का कुल अंकित मूल्य \_\_\_\_\_ रूप है जिसके लिए नीचे कथित अंकित मूल्यों में बंधपत्र स्वीकृत जारी करने की व्यवस्था करें।

अंकित मूल्य	संख्या	कुल अंकित मूल्य
(1) प्रत्येक 1,000 रूप का	_____	_____ रूप
(2) प्रत्येक 10,000 रूप का	_____	_____ रूप
_____ रूप के कुल अंकित मूल्य _____ कुल _____ स्वीकृत		

हमारा अनुरोध है कि बंधपत्रों की प्रतिशत रकम भारतीय लघु उद्योग विकास बैंक में रखे गए खाने में प्रविष्टि के रूप में धारित रहने दी जाए।

प्रारूप XIII [विनियम 3(3क) (छ) देखें] ।

लघु उद्योग बैंक में खाने में प्रविष्टि के रूप में बंधपत्रों के अंतरण का प्रारूप

हम, \_\_\_\_\_ भारतीय लघु उद्योग विकास बैंक में खाने में प्रविष्टि के रूप में बंधपत्रों के धारक (धारकों) की हीमियत में \_\_\_\_\_ रूप की सीमा तक, जो हमारी संपूर्ण बंधपत्र धृति/उसका भाग है, अपनी धृति उस पर \_\_\_\_\_ तक प्रोद्भूत व्याज सहित \_\_\_\_\_ को और उसके पक्ष में इसके द्वारा समनुवर्णित और अंतर्गत करते हैं।

हम उक्त बंधपत्रों के हमारे नाम की अंतरण निर्वाध रूप से स्वीकार करने हैं।

आज \_\_\_\_\_ 199 \_\_\_\_\_ को साक्षी के रूप में हम हस्ताक्षर करते हैं।

प्रत्येक (धारक) द्वारा जारी की जायगी म हस्ताक्षरित  
उक्त (श्रेता) द्वारा की उपस्थिति में हस्ताक्षरित

टिप्पण : (उस राज्य के, जिसमें यह निष्पादित किया जाए, स्थानीय स्टांप अधिनियम द्वारा (यथा संशोधित) भारतीय स्टांप अधिनियम, 1899 के अनुच्छेद 62(ग) के अनुसार स्टांप लगाई जायगी) ।

प्रारूप XIV [विनियम 24(ख) देखें]

लघु उद्योग बैंक में खाने में प्रविष्टि के रूप में धारित बंधपत्रों के उन्मोचन के प्रारूप  
सेवा में

प्रबंधक,  
बंधपत्र अनुभाग,  
भारतीय लघु उद्योग विकास बैंक,  
मुम्बई/लखनऊ ।

महोदय,

विषय : ————— % भारतीय लघु उद्योग विकास बैंक बंधपत्र (—————) ।

————— (बंधपत्र धारक) के जमा खाने में भारतीय लघु उद्योग विकास बैंक की बहियों में प्रविष्टि के रूप में धारित ————— रूप (—————) के अभिहित अंकित मूल्य के उपर्युक्त बंधपत्र (बंधपत्रों) पर परिपक्वता की तारीख की प्रोद्भूत व्याज सहित मूल रकम प्राप्त की । यह प्रमाणित किया जाता है कि बंधपत्र (बंधपत्रों) की अंकित रकम और परिपक्वता की तारीख तक प्रोद्भूत व्याज का रकम मेरी/हमारी बहियों में भेज खानी है ।

भवदीय

रजिस्ट्रीकृत धारक (धारकों)/या उनके सम्यक् रूप में  
प्राधिकृत प्रतिनिधि के हस्ताक्षर

रजिस्ट्रीकृत धारक का/धारकों के

नाम —————

तारीख —————

स्थान —————

प्रारूप XV (विनियम 18 देखें) ।

नामनिर्देशन/नामनिर्देशन के प्रतिस्थापन का प्रारूप

1. मैं/हम ————— निम्नलिखित व्यक्ति (व्यक्तियों) को ऐसे व्यक्ति (व्यक्तियों)  
(धारक का/धारकों के नाम)

क रूप में नामनिर्देशित करना हूँ / करने हैं जिसे/जिन्हें मेरी/हमारी/अवयस्क धारक की मृत्यु की दशा में नीचे विनिर्दिष्ट बंधपत्रों पर शोध रकम का भंडार किया जाए :

बंधपत्र

क्रम सं.	वर्णन	सुभिन्न संख्यांक	निर्गमन तारीख	अंकित मूल्य
1.				
2.				
3.				

नामनिर्देशिनी

नाम	पता	जन्म तिथि (यदि नाम निर्देशिनी अवयस्क है)	संदेय रकम का प्रतिफल
1.			
2.			



ऊपर क्रम सं. \_\_\_\_\_ पर नामनिर्देशिती अवयस्क है/हैं, इस लिए मैं/श्री/श्रीमती/कुमार \_\_\_\_\_ को ऐसे नाम-निर्देशिती (नामनिर्देशितियों) की अवयस्कता के दौरान मेरी/हमारी/अवयस्क धारक की मृत्यु हो जाने की दशा में उस/उन पर शोध्य रकम प्राप्त करने वाले व्यक्ति के रूप में नियुक्त करता हूँ/करते हूँ।

+++ यह नामनिर्देशन मेरे/हमारे द्वारा \_\_\_\_\_ तारीख को किए गए और भारतीय लघु उद्योग विकास बैंक की बहियों में \_\_\_\_\_ को रजिस्ट्रीकृत नामनिर्देशन के प्रतिस्थापन में है जो इस नामनिर्देशन के रजिस्ट्रीकरण रद्द हो जाएगा।

+++ (धारक के हस्ताक्षर)

साक्षियों के हस्ताक्षर और पते

- 1.
- 2.

स्थान :

तारीख :

@ इस स्तंभ में प्रत्येक नामनिर्देशिती को संदेय कुल रकम का प्रतिशत दर्शित करें।

इस पैरा को काट दें जब नामनिर्देशन किसी अवयस्क के पक्ष में नहीं है।

++ इस पैरा को काट दें जब नामनिर्देशन पहले किए गए नामनिर्देशन के प्रतिस्थापन में नहीं है।

+++ यदि कोई बंधपत्र किसी अवयस्क के नाम में धारित है तो नामनिर्देशन अवयस्क की ओर से विधिपूर्ण रूप में हकदार किसी व्यक्ति द्वारा हस्ताक्षरित किया जाना चाहिए।

प्रारूप XVI [विनियम 18(7) देखें]।

नामनिर्देशन को रद्द करने के लिए प्रारूप

मैं/हम \_\_\_\_\_ नीचे विनिर्दिष्ट और \_\_\_\_\_ को रजिस्ट्रीकृत  
(धारक का/धारकों के नाम)

बंधपत्रों की बाबत मेरे/हमारे द्वारा किए गए \_\_\_\_\_ के नामनिर्देशन को इसके/इनके द्वारा रद्द करता हूँ/करते हूँ।  
(तारीख)

क्रम सं.	वर्णन	सुभिन्न संख्यांक	निर्गमन तारीख	अंकित मूल्य
1.				
2.				
3.				

स्थान :

तारीख :

(धारक के हस्ताक्षर)

(धारक का नाम)

साक्षियों के हस्ताक्षर और पते

- 1.
- 2.

++ यदि बंधपत्र किसी अवयस्क के नाम में धारित है तो नामनिर्देशन का रद्दकरण अवयस्क की ओर से विधिपूर्ण रूप में हकदार व्यक्ति द्वारा हस्ताक्षरित किया जाना चाहिए।

(ह०/-)

आर. एस. अग्रवाल, प्रबन्ध निदेशक

पाद टिप्पण:- प्रमाणित किया जाता है कि भारतीय औद्योगिक विकास बैंक ने 21 जून, 1990 के अपने पत्र द्वारा भारतीय लघु उद्योग विकास बैंक (बंधपत्रों का निर्गमन और प्रबन्ध) विनियम, 1990 को अनुमोदन प्रदान किया है

# SMALL INDUSTRIES DEVELOPMENT BANK OF INDIA (ISSUE AND MANAGEMENT OF BONDS) REGULATIONS, 1990

No. 3144/CAD. Bonds/General Regulations—  
In exercise of the powers conferred by Section 52 of the Small Industries Development Bank of India Act, 1989 (39 of 1989), the Board of Directors of the Small Industries Development Bank of India, with the previous approval of the Industrial Development Bank of India, is pleased to make the following Regulations, namely :—

1. Short title and applications.—(1) These Regulations may be called the Small Industries Development Bank of India (Issue and Management of Bonds) Regulations, 1990.

(2) They shall apply to Bonds issued and sold by the Small Industries Bank under clause (a) of sub-section (1) of Section 15 of the Small Industries Development Bank of India Act, 1989.

2. Definitions.—In these Regulations, unless there is anything repugnant in the subject or context,

- (a) "the Act" means the Small Industries Development Bank of India Act, 1989;
- (b) "Bonds" means the Bonds issued and sold by the Small Industries Bank under clause (a) of sub-section (1) of Section 15 of the Act;
- (c) "Small Industries Bank" means the Small Industries Development Bank of India established under the Act;
- (d) "Defaced Bond" means a Bond which has been made illegible and rendered undecipherable in material parts and the material parts of a Bond are those where :—
  - (i) the number, the issue to which it appertains and the face value of the Bond, or payment of interest are recorded; or
  - (ii) the endorsement or the name of the payee is written; or
  - (iii) the renewal receipt or the memorandum of transfer is supplied;
- (e) "Form" means a form as set out in the Schedule to these Regulations;
- (f) "Lost Bond" means a Bond which has actually been lost and shall not mean a Bond which is in possession of some person adversely to the claimant;
- (g) "Mutilated Bond" means a Bond which has been destroyed, torn or damaged in material parts thereof;
- (h) "Office of Issue" means the office of the Small Industries Bank on the books of which a Bond is registered or may be registered;

(i) "Prescribed Officer" means the General Manager or such officers of the Small Industries Bank as may be authorised by the Board of Directors of the Small Industries Bank for the purposes of Regulations 11, 12, 13, 15, 17, 19 and 20;

(j) "Stock Certificate" means a Stock Certificate issued under Regulation 3.

3. Form of the Bond and the mode of transfer thereof, etc.—(1) A Bond may be issued in the form of :—

- (a) A promissory note payable to, or to the order of, a certain person; or
- (b) Stock registered in the books of the Small Industries Bank for which Stock Certificate are issued.

(2) (a) A Bond issued in the form of a promissory note shall be transferable by endorsement and delivery like a promissory note payable to order.

(b) No writing on a Bond issued in the form of a promissory note shall be valid for the purpose of negotiation if such writing purports to transfer only a part of the amount denominated by the Bond.

(3) A Bond issued in the form of a Stock Certificate and registered in the books of the Small Industries Bank shall be transferable either wholly or in part by execution of an instrument of transfer in Form V. The transferor in such a case shall be deemed to be the holder of the Bonds issued in the form of Stock to which the transfer relates until the name of the transferee is registered by the Small Industries Bank.

(3A) (a) Notwithstanding anything to the contrary herein contained, the Small Industries Bank may at the request of the person entitled to the Bonds, issue Bonds in the form of an entry in an account to be maintained by the Small Industries Bank in the name of the person entitled to the Bonds.

(b) The Bonds may be so issued in the form of an entry in the books of accounts of the Small Industries Bank either initially at the time of subscription to the Bonds or subsequently by conversion of the Bonds issued either in the form of a promissory note or Stock.

(c) If a Bond has already been issued in the form of a promissory note, the Bond holder desirous of holding it in the form of an entry in an account with the Small Industries Bank shall make requisition in Form XI and surrender the Bond duly endorsed in favour of the Small Industries Bank for the Bond being held in the form of an entry in an account in the books of the Small Industries Bank.

(d) If the Bond has been issued in the form of Stock Certificate, the holder shall transfer the Bond in favour of the Small Industries Bank with a request that the Bond may be held in the form of an entry in an account

to be maintained by the Small Industries Bank in the name of the holder.

- (e) A person holding Bonds in the form of an entry in an account maintained by the Small Industries Bank may have the Bonds transferred or converted in the form of a promissory note or a Stock Certificate by making an application in Form XII.
- (f) No fee is chargeable for issuing Bonds in the form of an entry in the account of the books of the Small Industries Bank or converting Bonds already issued either in the form of a promissory note or Stock in the form of an entry in the books of the Small Industries Bank or vice versa.
- (g) Bonds issued or held in the form of an entry in the books of the Small Industries Bank shall be transferable by execution of an instrument of transfer in Form XIII. The transferor in such cases shall be deemed to be the holder of the Bonds to which the transfer relates till such time the name of the transferee is entered in the books of the Small Industries Bank.
- (4) (a) A Bond shall be issued over the signature of the Managing Director or in his absence by an Executive Director and or a General Manager of the Small Industries Bank which may be printed, engraved, lithographed or impressed by such other mechanical process as the Small Industries Bank may direct.
- (b) A signature so printed, engraved, lithographed or otherwise impressed shall be as valid as it had been inscribed in the proper handwriting of the signatory himself.
- (5) No endorsement of a Bond in the form of a promissory note or no instrument of transfer in the case of a Bond in the form of a Stock Certificate shall be valid unless made by the signature of the holder or his duly constituted attorney or representative inscribed in the case of a Bond in the form of a promissory note on the back of the Bond itself and in the case of a Stock Certificate on the instrument of transfer.

4. Trust not recognised.—(1) The Small Industries Bank shall not be bound or compelled to recognise in any way, even when having notice thereof, any trust or any right in respect of a Bond other than an absolute right thereto in the holder.

(2) Without prejudice to the provisions of sub-regulation (1), the Small Industries Bank may, as an act of grace and without liability to the Small Industries Bank, record in its books such directions by the holder of a Bond issued in the form of Stock for the payment of interest on, or of the maturity value of or the transfer of or such matters relating to the Stock as the Small Industries Bank thinks fit.

5. Provision for holding Bonds issued in the form of the Stock Certificate by trustees and office holders.—

(1) A Bond in the form of Stock Certificate may be held by a holder of an office.—

- (a) in his personal name, described in the books of the Small Industries Bank and in the Stock Certificate as a trustee whether as a trustee of the trust specified in his application or as a trustee without any such qualification, or
- (b) by the name of his office.

(2) On an application made in writing to the Small Industries Bank in the form required by the Small Industries Bank the person in whose name a Bond stands and on surrender of the Bond, the Small Industries Bank may :—

- (a) make an entry in its books describing him as a trustee of a specified trust or as a trustee without specification of any trust and issue a Stock Certificate in his name described as trustee with or without the specification of the trust as the case may be; or
- (b) issue a Stock Certificate to him by the name of his office and make an entry in its books describing him as the holder of the Stock by the name of his office, according to the applicant's request provided :—
- (i) the request is in conformity with the provisions of sub-regulation (1) hereof;
- (ii) the necessary evidence required by the Small Industries Bank in terms of sub-regulation (7) has been furnished; and
- (iii) the Bond, if it is in the form of promissory note, has been endorsed in favour of the Small Industries Bank and if in the form of Stock Certificate, has been received by the registered holder in Form X.

(3) The Stock Certificate under sub-regulation (1) may be held by the holder of the office either alone or jointly with another person or persons or with a person or persons holding an office.

(4) When the Stock is held by a person in the name of his office, any documents relating to the Stock Certificate concerned may be executed by the person for the time being holding the office by the name in which the Stock Certificate is held as if his personal name were so stated.

(5) Where any transfer deed, power of attorney or other document purporting to be executed by a Stock Certificate holder described in the books of the Small Industries Bank as a trustee or as a holder of an office is produced to the Small Industries Bank, the Small Industries Bank shall not be concerned to inquire whether the Stock-holder is entitled under the terms of any trust or document or rules to give any such power or to execute such deed or other document, and may act on the transfer deed, power of attorney or document in the same manner as though the executant is a Stock Certificate holder and whether the Stock Certificate holder is or is not described in the transfer deed, power of attorney or document as a trustee or as a holder of an office and whether he

does or does not purport to execute the transfer deed, power of attorney or document in his capacity as a trustee or as a holder of the office.

(6) Nothing in these Regulations shall, as between any trustees or office holders and the beneficiaries, under a trust or any document or rules, be deemed to authorise the trustees or office holders to act otherwise than in accordance with the rules of law applying to trust the terms of the instrument constituting the trust, or the rules governing the association of which the Stock Certificate holder is a holder of an office and neither the Small Industries Bank nor any person holding or acquiring any interest in any Stock Certificate shall by reason only of any entry in any register maintained by the Small Industries Bank in relation to any Stock Certificate or any Stock Certificate holder or of anything in any document relating to Stock Certificate be affected with notice of any trust or of the fiduciary character of any Stock Certificate holder or of any fiduciary obligation attaching to the holding of any Stock Certificate.

(7) Before acting on any application made, or on any document purporting to be executed, in pursuance of this Regulation by a person as being the holder of any office, the Small Industries Bank may require the production of evidence that such person is the holder for the time being of that office.

6. Provision for holding of bonds issued in the form of promissory notes by trust/trustee(s).—

(1) Without prejudice to the provisions of sub-regulation (1) of Regulation 4, the Small Industries Bank may, at the request of the applicant and without liability to the Small Industries Bank, issue a Bond in the form of promissory note in the name of a specified trust or trustee(s) of that trust, or, as the case may be, in the personal name of the applicant, describing him as a trustee, whether as a trustee of the trust specified in his application or as a trustee without such specifications.

(2) Where a Bond in the form of promissory note stands in the personal name of the holder, the Small Industries Bank may, on an application made by him in the form required by the Small Industries Bank and on surrender of such Bond, issue a renewed Bond in the form of a promissory note in the manner laid down in sub-regulation (1) hereof provided that—

(i) the necessary evidence required by the Small Industries Bank in terms of sub-regulation (6) hereof has been furnished; and

(ii) the Bond has been endorsed in favour of the Small Industries Bank.

(3) The Bond under sub-regulation (1) may be held by a trustee of any trust either alone or jointly with another person or persons as trustees of that trust.

(4) Where a Bond in the form of promissory note purports to have been endorsed by the Bond holder as a trustee, or whether any power of attorney or other document purporting to be executed by the Bond holder is produced to the Small Industries Bank, the

Small Industries Bank shall not be concerned to enquire whether the Bond holder is entitled under the terms of any trust or document or rules to make such endorsement or execute such power of attorney or other document, and may act on the endorsement, power of attorney or document in the same manner as though such endorser is a Bond holder and whether the Bond holder is or is not described in the endorsement, power of attorney or document as a trustee, and whether he does or does not purport to make endorsement or execute the power of attorney or document in his capacity as a trustee.

(5) Nothing in these regulations shall, as between any trustees and the beneficiaries, under a trust or any document or rules, be deemed to authorise the trustees to act otherwise than in accordance with the rules of law applying to trust or the terms of the instrument constituting the trust.

(6) Before acting on any application made, in pursuance of this regulation, by a person as being the trustee of any trust, the Small Industries Bank may require the production of evidence that such person is the trustee for the time being of that trust.

7. Persons disqualified to be holders.—No minor and no person who has been found by a competent court to be of unsound mind shall be entitled to be a holder of Bonds.

8. Payment of Interest.—(1) Interest on a Bond in the form of a promissory note shall be paid by the Office of Issue or any other office of the Small Industries Bank specified in the Bond Prospectus subject to compliance by the holder of the Bond with such formalities as the Small Industries Bank may require, and on presentation of the Bond.

(2) Interest on a Bond in the form of Stock Certificate shall be paid by issue of warrants crossed account payee or in such other manner as may be decided by the Small Industries Bank. The presentation of the Stock Certificate shall not be required at the time of payment of interest but the payee shall acknowledge the receipt at the back of the warrant.

(3) Interest on a Bond held in the form of an entry in the books of the Small Industries Bank shall be paid by the Small Industries Bank by issue of warrants crossed account payee or in such other manner as may be decided by the Small Industries Bank.

9. Procedure where Bond in the form of a promissory note is lost, etc.—(1) Every application for the issue of a duplicate Bond in place of a Bond which is alleged to have been Lost, Stolen, Destroyed, Mutilated or Defaced, either wholly or in part shall be addressed to the Office of Issue, and shall contain the following particulars, namely :—

(a) Bond No. .... for Rs. .... of the.....per cent Small Industries Development Bank of India Bonds, .....; (year)

(b) Last half-year for which interest has been paid;

- (c) The person to whom such interest was paid;
  - (d) The person in whose name Bond was issued (if known);
  - (e) The circumstances attending the Loss, Theft, Destruction, Mutilation or Defacement; and
  - (f) Whether the Loss or Theft was reported to the police.
- (2) Such application shall be accompanied by :—
- (a) where the Bond was lost in the course of transmission by registered post, the Post Office registration receipt for the letter containing the Bond;
  - (b) a copy of the police report if the loss or theft was reported to the police in ;
  - (c) if the applicant is not the registered holder, an affidavit sworn before a magistrate testifying that the applicant was the last legal holder of the Bond, and all documentary evidence necessary to trace back the title to the registered holder; and
  - (d) any portion or fragments which may remain of the Lost, Stolen, Destroyed, Mutilated or Defaced bond.

10. Notification in Gazette.—The Loss, Theft, Destruction, Mutilation or Defacement of a Bond or portion of a Bond in the form of a promissory note shall forthwith be notified by the applicant in three successive issues of the Gazette of India and of the local official Gazette, if any, of the place where the Loss, Theft, Destruction, Mutilation or Defacement occurred. Such notification shall be in the following form or as nearly in such form as circumstances permit :—

“The Small Industries Development Bank of India Bond No. .... of the ..... per cent Bond ..... for Rs. .... originally standing in the name of ..... and last endorsed to ..... the proprietor, by whom it was never endorsed to any other person having been \*Lost|Stolen|Destroyed| Mutilated|Defaced, notice is hereby given that payment of the above Bond and the interest thereupon has been stopped at the Office of Issue, and that application is about to be made or has been made for the issue of a duplicate in favour of the proprietor. The public are cautioned against purchasing or otherwise dealing with the above-mentioned Bond.

Name of the person notifying .....

Residence .....

\*Delete whichever is not applicable.

11. Issue of duplicate Bond and taking of indemnity.—(1) After the publication of the last notification prescribed in Regulation 10, the Prescribed Officer shall if he is satisfied of the Loss, Theft, Destruction, Mutilation or Defacement of the Bond and of the justice of the claim of the applicant, cause the particulars of the Bond to be included in a list published

under Regulation 13, and shall order the Office of Issue—

- (a) if only a portion of the Bond has been Lost, Stolen, Destroyed, Mutilated or Defaced, and if a portion thereof sufficient for its identification has been produced, to pay interest and to issue to the applicant, on execution of an indemnity such as is hereinafter mentioned a duplicate Bond in place of that of which a portion has been so Lost, Stolen, Destroyed, Mutilated or Defaced either immediately after the publication of the list under Regulation 13 or on the expiry of such period as the Prescribed Officer may consider necessary from the date of the publication of the said list;

- (b) if no portion of the Bond so Lost, Stolen, Destroyed, Mutilated or Defaced, sufficient for its identification has been produced—

- (i) to pay to the applicant, two years after the publication of the said list, and on the execution of an indemnity in the manner hereinafter prescribed, the interest in respect of the Bond so Lost, Stolen, Destroyed, Mutilated or Defaced till the expiry of the period of four years next as hereinafter provided; and

- (ii) to issue to the applicant a duplicate Bond in place of the Bond so Lost, Stolen, Destroyed, Mutilated or Defaced four years after the date of publication of the said list, provided that :—

- (I) if the date on which the Bond is due for repayment falls earlier than the date on which the said period of four years expires, the Prescribed Officer shall, within six weeks of the former date, invest the principal amount due on the Bond in the Post Office Savings Bank, and shall repay this amount, together with any interest which may have accrued thereon in such Bank, to the applicant at the time when a duplicate Bond would otherwise have been issued, and

- (II) if at any time before the issue of the duplicate Bond the original Bond is discovered or it appears to the Office of Issue for other reasons that the order should be rescinded, the matter shall be referred to the Prescribed Officer for further consideration and in the meantime all action on the order shall be suspended. An order passed under this sub-regulation shall, on expiry of the period of four years referred to therein, become final unless it is in the meantime rescinded or otherwise modified.

- (2) The Prescribed Officer may, at any time prior to the issue of a duplicate Bond, if he finds sufficient reason, alter or cancel any order made by him under

this regulation and may also direct that the interval before the issue of a duplicate Bond shall be extended by such period not exceeding four years as he may think fit.

(3) Indemnities—

- (a) (i) when executed under sub-regulation (1) (a) shall be twice the amount of interest involved, that is to say, twice the amount of all back interest accrued due on the Bond plus twice the amount of all interest to accrue due thereon during the period which will have to elapse before the issue of a duplicate Bond can be made, and
- (ii) in all other cases shall be for twice the face value of the Bond plus twice the amount of interest calculated in accordance with clause (i).
- (b) the Prescribed Officer may direct that such indemnity shall be executed by the applicant alone or by the applicant and one or two sureties approved by him as he may think fit.

12. Procedure when a Bond in form of a Stock Certificate is lost, etc.—(1) Every application for the issue of a duplicate Stock Certificate in place of a Stock Certificate which is alleged to have been Lost, Stolen, Destroyed, Mutilated or Defaced either wholly or in part shall be addressed to the Office of Issue and shall be accompanied by—

- (a) the Post Office registration receipt of the letter containing the Stock Certificate, if the same was lost in transmission by registered post;
- (b) a copy of the police report if the Loss or Theft was reported to the police in;
- (c) affidavit sworn before a Magistrate testifying that the applicant is the legal holder of the Stock Certificate and that the Stock Certificate is neither in his possession nor has it been transferred, pledged or otherwise dealt with by him; and
- (d) any portions or fragments which may remain of the Lost, Stolen, Destroyed, Mutilated or Defaced Stock Certificate.

(2) The circumstances attending the loss shall be stated in the application.

(3) The Prescribed Officer shall, if he is satisfied of the Loss, Theft, Destruction, Mutilation or Defacement of the Stock Certificate, direct the issue of a duplicate Stock Certificate in lieu of the original certificate.

13. Publication of list :— (1) The list referred to in Regulation 11 shall be published half-yearly in the Gazette of India in the months of January and July or as soon afterwards as may be convenient.

(2) All Bonds in respect of which an order has been passed under Regulation 11 shall be included in the first list published next after the passing of such order and thereafter such Bonds shall continue

to be included in every succeeding list until the expiration of four years from the date of first publication.

(3) The list shall contain the following particulars regarding each Bond included therein, namely, the name of the issue, the number of the Bond, its value, the name of the person to whom it was issued the date from which it bears interest, the name of the applicant for a duplicate, the number and date of the order passed by the Prescribed Officer for payment of interest or issue of a duplicate, and the date of publication of the list in which the Bond was first included.

14. Discretion of the Small Industries Bank : Notwithstanding anything contained in Regulations 10, 11, 12 and 13, where the Small Industries Bank deems fit, in any case, it shall be lawful for the Small Industries Bank in its absolute discretion to dispense with the procedure prescribed therein regarding the issue of duplicate Bond and issue duplicate. Bond upon such terms as to indemnity or otherwise, as it may deem fit.

15. Determination of a mutilated Bond as a Bond requiring issue of duplicate :—It shall be at the option of the Prescribed Officer to treat a Bond which has been Mutilated or Defaced as a Bond requiring issue of a duplicate under Regulation 11 or a mere renewal under Regulation 19.

16. When a Bond in the form of promissory note may be required to be renewed :—(1) A holder of a Bond in the form of a promissory note may be required by the Office of Issue to receipt the same for renewal in any of the following cases, namely:—

- (a) if only sufficient room remains on the back of the Bond for one further endorsement or if any word is written upon the Bond across the existing endorsement or endorsements;
- (b) if the Bond is torn or in any way damaged or crowded with writing or unfit, in the opinion of the Office of Issue;
- (c) if any endorsement is not clear and distinct or does not indicate the payee or payees, as the case may be, by name or is made otherwise than in one of the endorsement cages on the back of the Bond;
- (d) if the interest on the Bond has remained undrawn for ten years or more;
- (e) if the interest cages on the reverse of the Bond have been completely filled or if the vacant printed cages on the reverse of the Bond do not correspond with the half-years for which interest has become due on the date when the Bond is presented for drawal of interest;
- (f) if the Bond having been enfaced three times for payment of interest is presented for re-enfacement; and

(g) if in the opinion of the Office of Issue, the title of the person presenting the Bond for payment of interest is irregular or not fully proved.

(2) When requisition for renewal of a Bond was been made under sub-regulation (1) payment of any further interest thereon shall be refused until it is receipted for renewal and actually renewed :

17. Person whose title to a Bond of a deceased sole holder may be recognised : (1) The executors or administrators of a deceased sole holder of a Bond (whether a Hindu, Mohammedan, Parsi or otherwise) or the holder of a succession certificate issued under Part X of the Indian Succession Act, 1925 (39 of 1925) in respect of the Bond shall be the only persons who may be recognised by the Office of Issue (subject to any general or special instructions of the Prescribed Officer) as having any title to the Bond.

(2) Notwithstanding anything contained in Section 45 of the Indian Contract Act, 1872 (9 of 1872), in the case of a Bond issued, sold or held payable to two or more holders, the survivor or survivors and on the death of the last survivor, his executors, administrators, or any person who is the holder of a succession certificate in respect of such Bond shall be the only person who may be recognised by the Office of Issue (subject to any general or special instructions of the Prescribed Officer) as having any title to the Bond.

(3) The Office of Issue shall not be bound to recognise such executors or administrators unless they shall have obtained probate or letters of administration, as the case may be from a competent court or office in India.

(4) Notwithstanding anything contained in sub-regulations (1), (2) and (3), where the Prescribed Officer in his absolute discretion thinks fit, in any case, it shall be lawful for him to dispense with the production of probate or letters of administration or other legal representation upon such terms as to indemnity or otherwise, as he may think fit.

18. Nomination :—(1) Notwithstanding anything contained in Regulation 17, where a Bond is held by one or more persons, the sole holder or, as the case may be, all the holders together may nominate any person or persons to whom, in the event of the death of the sole holder or the death of all the holders, the amount due on the Bond may be paid.

Provided that when a Bond is held by two or more persons, the nominee shall become entitled to receive the amount only on the death of all the holders

Provided further that nothing contained in this Regulation shall affect any claim which any representative of a deceased holder of a Bond may have against the nominee in respect of any amount due on the Bond.

(2) If two or more persons are nominated under sub-regulation (1), the amount due on the Bond shall be distributed amongst the nominees in the manner specified in the nomination, and in the absence of such specification, the amount shall be distributed equally among all the nominees.

Provided, however, that if no nomination subsists or, if such nomination relates only to part of the amount due, the whole amount or part thereof to which the nomination does not relate, shall be paid to the persons who may be entitled thereto under sub-regulation (2) of Regulation 17.

(3) A nomination under sub-regulation (1) may be made by the sole holder or, as the case may be, all the holders together in Form XV.

(4) A nomination may be made only in respect of a Bond which is held in the individual capacity of the holder and not in any representative capacity as the holder of an office or otherwise.

(5) Where the nominee is a minor, the sole holder or as the case may be, all the holders together may appoint any person (not being a minor) to receive the amount due on the Bond during the minority of the nominee.

(6) Where a Bond is held in the name of a minor, the nomination, if any, shall be made by a person lawfully entitled to act on behalf of the minor.

(7) A nomination may be substituted by submitting an application in Form XV or cancelled by submitting an application in Form XVI, together with the Bond, to the Small Industries Development Bank of India.

(8) A nomination or a substitution or a cancellation of a nomination shall be registered in the books of the Small Industries Bank and the fact of registration shall be noted on the Bond and, on such registration the said nomination, cancellation or substitution, as the case may be, shall be deemed to be effective from the date on which it was submitted.

(9) The rights, which a nominee has acquired in relation to the Bond under a nomination duly made and registered under this Regulation, shall not be affected by reason of the issue of a duplicate Bond and the nominee shall have the same rights in relation to the duplicate Bond as he had in relation to the original Bond.

19. Receipt for renewal: etc.—(1) Subject to any general or special instructions of the Prescribed Officer, the Office of Issue may, by its order, on the application of the holder—

(a) on his delivering the Bond or Bonds in the form of promissory note or notes and on his satisfying the Office of Issue regarding the justice of his claim, renew, sub-divide or consolidate the note or notes provided the note or notes has or have been receipted in Form I, II or III, as the case may be; or

(b) convert the note or notes into Stock Certificate or Stock Certificates provided the note or notes has or have been endorsed as follows—

“Pay to the Small Industries Development Bank of India”; or

- (c) renew, sub-divide or consolidate a Stock Certificate or Stock Certificates provided the Stock Certificate or Stock Certificates has or have been receipted in Form VI, VII or VIII, as the case may be; or
- (d) convert the Stock Certificate or Stock Certificates into promissory note or notes provided the Stock Certificate or Stock Certificates has or have been receipted in Form IX, or
- (e) convert the Bonds of one series into those of another provided—
  - (i) inter series conversion is permissible; and
  - (ii) the conditions governing such conversion are complied with.

(2) The Office of Issue may, under the orders of Prescribed Officer, require the applicant for renewal, sub-division or consolidation of a Bond under the sub-regulation (1) to execute an indemnity in Form IV with one or more sureties approved by him.

20. Renewal of Bond in case of dispute as to title.—Where there is a dispute as to the title to a Bond in respect of which an application for renewal has been made, the Prescribed Officer may :—

- (a) where any party to the dispute has obtained a final decision from a court of competent jurisdiction declaring him to be entitled to such Bond, issue a renewed Bond in favour of such party, or
- (b) refuse to renew the Bond until such a decision has been obtained.

#### EXPLANATION :

For the purposes of this Regulation, the expression final decision means a decision which is not appealable or a decision which is appealable but against which no appeal has been filed within the period of limitation allowed by law.

21. Liability in respect of Bond renewed, etc.—When a duplicate Bond has been issued under Regulation 11 or a renewed Bond has been issued or a new Bond has been issued upon sub-division or consolidation under Regulation 19, in favour of a person, the Bond so issued shall be deemed to constitute a new contract between the Small Industries

Bank and such person and all persons deriving title thereafter through him.

22. Discharge.—The Small Industries Bank shall be discharged from all liability in respect of the Bond or Bonds paid on maturity or in place of which a duplicate, renewed, sub-divided or consolidated Bond or Bonds has or have been issued.

- (a) in the case of payment, after the lapse of four years from the date on which payment was due;
- (b) in the case of a duplicate Bond after the lapse of four years from the date of the publication under Regulation 13 of the list in which the Bond is first mentioned, or from the date of the payment of interest on the original Bond, referred to in Regulation 11 whichever date is later;
- (c) in the case of a renewed Bond or of a new Bond issued upon sub-division or consolidation after the lapse of four years from the date of issue thereof.

23. Discharge in respect of interest.—Save as otherwise expressly provided in the terms of the Bond, no person shall be entitled to claim interest on any such Bond in respect of any period which has elapsed after the earliest date on which demand could have been made for the payment of the amount due on such Bond.

24. Discharge of a Bond.—(a) When a Bond held in the form of promissory note or Stock Certificate becomes due for payment of principal, it shall be presented at the office of the Small Industries Bank at which interest thereon is payable or at the Office of Issue duly signed by the holder on its reverse;

- (b) When a Bond in the form of an entry in the account becomes due for payment of principal, a duly signed receipt in Form XIV shall be furnished by the holder to the Office of Issue.

25. Exercise of Powers on behalf of the Small Industries Bank :—The powers exercisable by the Small Industries Bank under Regulations 4(2), 5(2), 5(7), 6(6) and 8(1) may be exercised on behalf of the Small Industries Bank by the Managing Director and in his absence by an Executive Director and/or a General Manager of the Small Industries Bank.

#### SCHEDULE

##### FORM I [See Regulation 19(1) (a)]

Form of endorsement for renewal of a Bond in the form of a Promissory Note

Received in lieu of hereof, a renewed Note Payable to ..... with  
(name of holder)

interest payable by the Small Industries Development Bank of India .....  
(place)

Signature of the holder/duly authorised representative of .....  
(name of holder)

##### FORM II [See Regulation 19(1) (a)]

Form of endorsement for sub-division of a Bond in the form of a Promissory Note



Received in lieu hereof.....  
 Notes for Rs.....respectively,  
 payable to.....with interest payable  
 (name of holder)  
 by the Small Industries Development Bank of India.....  
 (place)

Signature of the holder/duly authorised representative of  
 .....  
 (name of holder)

### FORM III [See Regulation 19(1) (a)]

Form of endorsement for consolidation of Bonds in the form of Promissory Note

Received in lieu of hereof a new Note payable to.....  
 (name of holder)  
 for Rs.....by consolidation with Note or Notes No. (s)..... (mentioning  
 the number(s) and amount(s) of the other Note(s) desired to be consolidated with it and specifying  
 the issue) with interest payable by the Small Industries Development Bank of India.....  
 (place)

Signature of the holder/duly authorised representative of  
 .....  
 (name of holder)

### FORM IV [See Regulation 19(2)]

Know all men by these presents that we.....  
 (name of principal)  
 Son of.....Resident of  
 .....and.....Son  
 (Surety No. 1)  
 of.....Resident of.....  
 and.....Son of.....  
 (Surety No. 2)

Resident of.....hereby bind ourselves and  
 each of us, our and each of our heirs, executors, administrators and representatives and all of them  
 jointly and severally to the Small Industries Development Bank of India as established under the Small  
 Industries Development Bank of India Act, 1989 (hereinafter called "the said Small Industries Bank")  
 for payment of the sum of Rs.....to the said Small Industries  
 Bank, its certain attorneys, successors and assigns.

AND I/each of us the said.....  
 (name of Principal) and (name of Surety/Sureties)  
 .....hereby covenant with the said Small Industries Bank that if any suit  
 shall be brought touching the subject matter of this obligation or the condition hereunder written  
 in any Court subordinate to the High Court of Judicature at Lucknow/Bombay, the same may, at the  
 instance of the said Small Industries Bank, whoever may be a party to such suit be removed upto, tried  
 and determined by any of the said High Courts in its extraordinary original civil jurisdiction to  
 Lucknow/Bombay.

Whereas the said.....has  
 (name of Principal)  
 applied to the said Small Industries Bank, for the renewal/consolidation/sub-divisional of Bond(s)  
 issued by the said Small Industries Bank mentioned in the schedule hereto.

AND WHEREAS the said Small Industries Bank has consented and agreed to accept the said application on the said.....with  
(name of Principal)  
two good and sufficient sureties entering into and executing the above written Bond subject to the condition hereunder written ;

AND WHEREAS the above bounden.....  
(name of Surety/Surities)  
at the request of the said.....  
(name of Principal)  
has/have agreed to become surety/sureties for.....  
.....and to join with the said.....  
(name of Principal) (name of Principal)  
in executing the above written bond.

Now the condition of the above written bond is such that if the above bounden.....and  
(name of Principal)

.....or  
(name of Surety/Surities)  
each of them or their heirs, executors, administrators or representatives or any or either of them shall from time to time and at all times hereafter effectually save, defend, keep harmless and indemnified the said Small Industries Bank from and against the claims and demands of all persons claiming to be entitled to the Bond(s) issued by the said Small Industries Bank mentioned in the schedules hereto or to any interest thereon and of other persons whomsoever in respect of the said Bond(s) or the renewal thereof of the payment of interest thereon and from and against all damages, losses, costs, charges and expenses which the said Small Industries Bank may sustain, incur or be liable to for or in a consequence of any such claim or demand or by reason of the issue of renewed Bond(s) as aforesaid or the payment of any interest due on the said Bond(s) or renewed Bond(s) then the above written bond shall be void but otherwise the same shall remain in full force and effect.

Signed and delivered by.....  
(name of Principal)

in the presence of....., and of  
.....

Date :

The Schedule her in referred to

Nature and description of the Bond Number	Date of Issue	Amount
FORM V)[See Regulation 3(3)]		
Form of Transfer		

FORM V)[See Regulation 3(3)]

Form of Transfer

I/We.....do hereby assign and  
(name of holder(s))

transfer my/our interest or share in the inscribed Stock of the.....  
percent Small Industries Development Bank of India Bonds,.....  
(year)

amounting to Rs.....being the amount/a  
portion of the Stock for Rs.....as specified on the  
face of this instrument together with the accrued interest thereon unto.....  
[(name of transferee(s)]

his/her/their executors, administrators or assigns, and I/We.....do  
(name of holder(s))

reely accept the above Stock transferred to the extent it has been transferred to me/us.

I/We.....hereby request that  
(name of transferee(s))

on my/our being registered as the holder(s) of the Stock hereby transferred to me/us the aforesaid Stock Certificate to the extent it has been transferred to me/us may be renewed in my/our name(s)/converted in my/our name(s)

\*I/We.....hereby request that on  
(name of holder(s))

the above transferee(s) being registered as the holder(s) of the Stock hereby transferred to him/them the aforesaid Stock Certificate to the extent it has not been transferred to him/them may be renewed in my/our name(s)

As witness our hand the.....day of  
.....one thousand nine hundred and.....  
signed by the above named transferor in the presence of\*\*.....  
.....(Transferor)

Address : .....

(Transferee) .....

Address : .....

Signed by the above named transferee in the presence of

\*\* .....

\*This paragraph is to be used only when a portion of a certificate is transferred.

\*\*Signature, occupation and address of witness.

#### FORM VI [See Regulation 19(1) (c)]

Form of endorsement for renewal of Stock Certificate

Received in lieu hereof a renewed Stock Certificate of the.....  
percent Small Industries Development Bank of India Bond,.....for  
(year)

Rs.....in the.....name of.....  
with interest payable by the Small Industries Development Bank of India.....  
(place)

Signature of the registered holder/  
duly authorised representative

.....  
(name of registered holder)

#### FORM VII [See Regulation 19(1) (c)]

Form of endorsement for sub-division of a Stock Certificate

Received in lieu of this Stock Certificate No.....Stock  
Certificates for Rs.....respectively of the.....per cent  
Small Industries Development Bank of India Bonds,.....with  
(year)

interest payable by the Small Industries Development Bank of India,

.....  
(place)

Signature of the registered holder/duly  
authorised representative

.....  
(name of registered holder)

**FORM VIII [See Regulation 19(1)(c)]**

Form of endorsement for consolidation of Stock Certificates

Received in lieu of Stock Certificate Nos. .... for  
 Rs. ...., respectively of the ..... per cent Small  
 Industries Development Bank of India Bonds, ..... a Stock Certificate for Rs.  
 ..... (year)  
 ..... of the ..... per cent Small Industries  
 Development Bank of India Bonds, ..... with interest payable by the  
 ..... (years)  
 Small Industries Development of India, .....  
 ..... (place)

Signature of the registered holder/  
 duly authorised representative

.....  
 (name of registered holder)

**FORM IX [See Regulation 19(1) (d)]**

Form of endorsement for conversion of Stock Certificates into Promissory Notes

Received in lieu of this Stock Certificate .....  
 Promissory Notes of Rs. .... each together with a new  
 Stock Certificate for the balance amounting to Rs. ....  
 with interest payable by the Small Industries Development Bank of India, .....  
 ..... (place)

Signature of the registered holder/  
 duly authorised representative

.....  
 (name of registered holder)

**FORM X [See Regulation 5(2)(b)(iii)]**

Form of receipt for renewal of a Bond issued in the form of Stock Certificate

Received in lieu hereof a renewed Stock Certificate of the .....  
 percent Small Industries Development Bank of India Bonds, ..... for  
 ..... (Year)  
 Rs. .... in favour of ..... with interest  
 ..... (Place)  
 payable by the Small Industries Development Bank of India, .....  
 .....

.....  
 (Signature of registered holder)

**FORM XI [See Regulation 3(3A)(c)]**

Requisition for conversion of Bond in the form of Promissory Note into an entry in the account with  
 the Small Industries Bank

Date ..... 19 .....

To :

Manager,  
 Bonds Section,  
 Small Industries Development Bank of India,  
 Bombay/Lucknow

Dear Sir,

Re : ..... % Small Industries Development Bank  
 of India Bonds ..... (..... Series)

We hereby declare that the Small Industries Development Bank of India Bonds issued in the form of Promissory Note(s) of the aggregate face value of Rs. .... listed on the reverse is/are our property and request that we may please be allowed to hold the same in the form of an entry in the account to be maintained by the Small Industries Bank in our name for which purpose we are surrendering herewith the relevant bond scrips duly endorsed in favour of the Small Industries Bank. The name, designation and specimen signature(s) of the person(s), who has/have been authorised to operate the account are as per details given on the reverse.

In this connection, we are enclosing hereto deed of indemnity in your favour, duly stamped and executed on our behalf as per your draft.

We request you to kindly send to us in due course certificate of holding of bonds in form of an account with the Small Industries Bank and periodic statement of our holding at the address given above.

In the meanwhile please acknowledge receipt.

Yours faithfully,

Signature(s) of the registered  
holder(s) /or his duly  
authorised representative .....  
Name(s) of registered  
holder(s) .....

#### LIST OF BOND SCRIPS ENCLOSED HERETO

Promissory Note(s) in denomination(s) as stated below

1. Bond Scrip No. .... dated ..... for Rs. ....  
..... (..... Series).
2. Bond Scrip No. .... dated ..... for Rs. ....  
..... (..... Series).
3. Bond Scrip No. .... dated ..... for Rs. ....  
..... (..... Series).

Aggregate face value of the Bond Scraps Rs. ....

Specimen Signature(s) ..... Singly/Jointly/Either or Survivor  
Name 1. .... Designation .....  
2. .... Designation .....

Address .....  
.....  
.....  
.....

Telephone : ..... Telex : .....

Enclosed (i) Bond Scraps for aggregate value of Rs. ....  
(ii) Deed of Indemnity.

#### FORM XII [See Regulation 3(3A)(e)]

Requisition for issue of Bond scraps in lieu of the Bonds held in the form of entry in the account with the Small Industries Bank

To :

Manager,  
Bonds Section,  
Small Industries Development Bank of India,  
Bombay/Lucknow  
Dear Sir,

Re : ..... Small Industries Development Bank  
of India Bond ..... (..... Series)

We are forwarding herewith the certificate of holding issued by the Small Industries Development Bank of India in respect of the Bonds held by us in the form of an entry in the account maintained by the Small Industries Development Bank of India.

We request that our Bond holdings may please be converted and transferred in the form of promissory note(s), as per details given on the reverse.

We request that Bond Scripts in this regard may please be forwarded to us by registered post at our address given above, alongwith the fresh certificate of holding in respect of the balance amount of the Bonds that are continued to be held in the form of an entry in the account maintained by the Small Industries Development Bank of India.

In the meanwhile please acknowledge receipt.

Yours faithfully,

Signature (s) of the registered  
holder (s) /or his duly  
authorised representative .....  
Name(s) of the registered  
holder (s) .....

Details of existing certificates of holding and requirement of promissory notes.

1. Certificate of Holding No.....dated.....  
Rs.....;.....Series)
2. Certificate of Holding No.....dated.....  
Rs.....(.....Series)
3. Certificate of Holding No.....dated.....  
Rs.....(.....Series)

Aggregate face value of Bonds Rs.....of which, please  
arrange to issue Bond Scripts in denominations as stated below

Denominations	Number	Aggregate face value
(1) Rs. 1,000 each X		= Rs.
(2) Rs. 10,000 each X		= Rs.

Total.....Scripts of the aggregate Face Value of Rs.....

We request that the balance amount of the Bonds may continue to be held in the form of an entry in the account maintained by the Small Industries Development Bank of India.

FORM XIII [See Regulation 3 (3A) (g)]

Form of transfer of Bonds in the Form of an entry in the account with the Small Industries Bank

We, .....as the holder(s) of the Bonds in the form of an entry  
in an account with the Small Industries Development Bank of India do hereby assign and transfer our hold-  
ing to the extent of Rs.....being the entire/portion of our Bond holding together with accrued  
interest thereon upto .....to and in favour of.....

We,.....do freely accept the transfer of the above  
Bonds to our name.

Witness our hand this.....day of.....

19.....

Signed by the above named.....(Seller)

in the presence of.....

Signed by the above named.....(Buyer)

in the presence of.....

Note : To be stamped in accordance with Article 62(c) of the Indian Stamp Act, 1899 (as amended by the  
Local Stamp Act of the State in which it is executed).

## FORM XIV [See Regulation 24(b)]

Form of discharge for the Bonds held in the form of entry in the account with the Small Industries Bank

To :

Manager

Bonds Section,

Small Industries Development Bank of India,

Bombay/Lucknow.

Dear Sir,

Re : ..... % Small Industries Development

Bank of India Bond(s) ..... (..... Series)

Received the principal amount with accrued interest on the date of maturity on the Captioned Bond(s) of the nominal face value of Rs. .... (Rupees ..... only) held in form of an entry in the book of the Small Industries Development Bank of India to the credit of .... (bond holder). It is certified that the nominal amount of the Bond(s) and the accrued interest as on date of maturity agree with my/our books.

Yours faithfully,

Signature(s) of the registered  
holder(s)/or his duly authorised  
representative .....

Name(s) of registered holder(s) .....

Date

Place

## FORM XV (See Regulation 18)

Form of nomination-substitution of nomination

1. I/We, ..... nominate the following  
[Name(s) of the holder(s)]

person(s) to whom, in the event of my/our/minor holder's death, the amount due on the Bonds specified below may be paid :

## BONDS

Sr. No.	Description	Distinctive Number	Date of Issue	Face Value
1.				
2.				
3.				

## NOMINEE(S)

Name	Address	Date of Birth (if the nominee is a minor)	Percentage of amount payable
------	---------	---	---------------------------------

1.  
2.  
3.

2. \*As the nominee(s) at serial No.(s) ..... above is/ar  
minor(s), I appoint Shri/Smt./Kumari ..... as the  
(Name and Full address)

person to receive the amount due thereon in the event of my/our/minor holder's death during the minority of such nominee(s).

3. **\*\*This nomination is in substitution of the nomination dated.....**  
**.....made by me/us and registered in the books of the Small Industries Development Bank**  
**of India on.....which shall stand cancelled on registration of this nomination.**

**\*\*\* (Signature of the holder)**

Signature and address of witnesses

1. Place  
 2. Date

@ Indicate in this column the percentage of total amount payable to each nominee.

\* Strike out this paragraph when the nomination is not in favour of a minor.

\*\*Strike out this paragraph when the nomination is not in substitution of one already made.

\*\*\*If a Bond is held in the name of a minor, the nomination should be signed by a person lawfully entitled to act on behalf of the minor.

FORM XVI [See Regulation 18(7)]

#### Form of cancellation of nomination

I/We .....do hereby cancel the  
 [Name(s) of the holder (s)]

nomination dated.....made by me/us in respect of the Bonds specified  
 below and registered on.....

Sr. No.	Description	Distinctive Number	Date of Issue	Face Value
1.				
2.				
3.				

Place :

Date :

**\* (Signature of the holder)**

**(Name of the holder)**

Signatures and address  
 of witnesses

1.  
 2.

\*If the Bond is held in the name of minor, the cancellation of nomination should be signed by person lawfully entitled to act on behalf of the minor.

R.S. AGRAWAL, Managing Director

FOOT NOTE: Certified that Industrial Development Bank of India have given approval to Small Industries Development Bank of India (Issue and Management of Bonds) Regulations, 1990 vice their letter dt. June 21, 1990.